www.sanjanabharati.com
दिल्ली और गौतम बुद्ध नगर से प्रकाशित। हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड व उत्तराखंड में प्रसारित
facebook.com/Sanjanabharati

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!
3 डा. राजेश गौतम को कलाकारों ने दी विदाई
4 हरियाणा का लिंगानुपात इस वर्ष 7 जुलाई तक...

वर्षः 9 | अंकः 255 | दिल्ली, बुधवार, 9 जुलाई 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

ओवरएज्ड वाहनों पर लगा फ्यूल बैन हटा

नई दिल्ली (एजेन्सी)। दिल्ली सरकार द्वारा 10 साल से अधिक पुरानी डीजल कारों और 15 साल से अधिक पुरानी पेट्रोल कारों पर प्रतिबंध हटाने के कुछ दिनों बाद जारी एक आदेश में कहा गया है कि 1 नवंबर से इन श्रेणियों में आने वाले वाहनों को कोई ईंधन नहीं दिया जाएगा। ईंधन प्रतिबंध उसी दिन राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) के पांच जिलों में भी लागू होंगे। सीएक्यूएम (वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग) के अधिकारी ने कहा, "निर्देश 89 में संशोधन किया जाएगा। दिल्ली में एंड-ऑफ-लाइफ वाहनों के खिलाफ अभियान अब 5 एनसीआर जिलों के साथ 1 नवंबर से लागू होगा।" इसका मतलब यह है कि 1 नवंबर से दिल्ली के साथ-साथ गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर (नोएडा), गुरुग्राम और सोनीपत जैसे एनसीआर के अहम शहरों में भी पुरानी गाड़ियो को डीजल पेट्रोल देने पर प्रतिबंध लागू होगा। 1 जुलाई को दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के लिए एक बड़ा अभियान शुरू किया, जिसके तहत पुराने वाहनों को ईंधन की आपूर्ति पर रोक लगा दी गई। सरकारी आदेश के अनुसार, पेट्रोल पंप 10 साल से पुराने डीजल वाहनों और 15 साल से पुराने पेट्रोल वाहनों को ईंधन नहीं देंगे। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा निर्देशित इस पहल में ईंधन भरने वाले स्टेशनों पर वाहनों की आयु का पता लगाने के लिए स्वचालित कैमरा सिस्टम लगाया गया। यातायात पुलिस को उल्लंघन करने वाले वाहनों को जब्त करने या चालान जारी करने का भी अधिकार दिया गया।

युवाओं को आयोग नहीं, नौकरी चाहिए: प्रशांत किशोर

बिहार (एजेन्सी)। बिहार सरकार द्वारा बिहार युवा आयोग के गठन की घोषणा पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने तंज कसा है। उन्होंने कहा कि बिहार के युवाओं से जाकर पूछिए कि उन्हें आयोग चाहिए या नौकरी। बिहार के युवा अब और धोखा नहीं खाएंगे। 2015 में नीतीश कुमार ने वादा किया था कि जब तक 18 से 35 साल के युवाओं को नौकरी नहीं मिल जाती, उन्हें 1000 रुपए प्रतिमाह बेरोजगारी भत्ता दिया जाएगा। किसी भी युवा से पूछिए, उन्हें आज तक 1 रुपया भी नहीं मिला। इसलिए युवा आयोग बनाने से कोई फायदा नहीं होगा। प्रशांत किशोर ने आगे कहा कि इस आयोग के गठन से नीतीश कुमार के चार करीबी मंत्री और अधिकारी अपने परिवार के सदस्यों को वहां नौकरी दिलवाएंगे। बिहार के बेरोजगार युवा बेरोजगार ही रहेंगे। बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के लिए 35% नौकरी कोटा स्वीकृत करने पर जन सुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि 2015 में महिलाओं को पहले से ही 30% नौकरी कोटा प्रदान किया गया था। नीतीश कुमार पुरानी घोषणा को फिर से घोषित करके लोगों को बेवकूफ बना रहे हैं। आपको बता दें कि नीतीश कुमार ने घोषणा की कि राज्य सरकार की मंजूरी के बाद राज्य मंत्रिमंडल ने मंगलवार को बिहार युवा आयोग के गठन को मंजूरी दे दी है। इस कदम का उद्देश्य बिहार के युवाओं को रोजगार के अधिक अवसर प्रदान करना और युवा प्रशिक्षण में निवेश को बढ़ावा देना है, ताकि उन्हें सशक्त और सक्षम बनाया जा सके।

लगातार बारिश के कारण हिमाचल प्रदेश के सात जिलों में बाढ़ का खतरा मडराया

हिमाचल प्रदेश (एजेन्सी)। भारत के पहाड़ी राज्य हिमाचल प्रदेश में भारी बारिश, बाढ़ और भूस्खलन की वजह से कई लोग लापता बताए जा रहे हैं। सप्ताहांत में असामान्य रूप से भारी बारिश के कारण 23 बाढ़ और 16 भूस्खलन की घटनाओं के बाद उत्तर भारतीय राज्य में सैकड़ों घर, पुल, सड़कें और बिजली के खंभे बह गए। हिमाचल प्रदेश राज्य सरकार की एक रिपोर्ट के अनुसार, 19 बादल फटने की घटनाएं भी हुईं, जिसमें अचानक भारी मात्रा में बारिश हुई। इस सप्ताह और अधिक बारिश की चेतावनी के साथ कई जिले भूस्खलन के लिए हाई अलर्ट पर हैं। हिमालय के पहाड़ी इलाकों में फैला हिमाचल प्रदेश हाल के वर्षों में बार-बार प्रभावित हुआ है क्योंकि जलवायु आपातकाल के कारण मानसून की बारिश अनियमित हो गई है और अधिक तीव्र, अनियंत्रित रूप से गिर रही है।

हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है-योगी आदित्यनाथ

'यूपी सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी'

(एजेन्सी)।

उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश पुलिस के आतंकवाद निरोधक दस्ते ने धर्म परिवर्तन कराने वाले गिरोह के कथित सरगना को उसके सहयोगी के साथ गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि जलालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा और सह-आरोपी नीतू उर्फ नसरीन बलरामपुर जिले के मधपुर के निवासी हैं। बयान में कहा गया कि जलालुद्दीन के खिलाफ एक अदालत ने गैर-जमानती वारंट जारी किया था, जबकि पुलिस ने उसकी गिरफ्तारी के लिए 50,000 रुपये का नकद इनाम घोषित किया था।

पूरे मामले को लेकर अब उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपनी पहली प्रतिक्रिया दी है। योगी ने एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार बहन-बेटियों की गरिमा और सुरक्षा के प्रति पूर्णतः प्रतिबद्ध है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी जलालउद्दीन की गतिविधियां समाज विरोधी ही नहीं, बल्कि राष्ट्र विरोधी भी हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था को लेकर किसी प्रकार की ढिलाई नहीं बरतेगी। आरोपी और उसके गिरोह से जुड़े सभी अपराधियों की संपत्तियां जब्त की जाएंगी और उन पर सख्त कानूनी कार्यवाही की जाएगी।

योगी ने आगे लिखा कि राज्य में शांति, सौहार्द और महिलाओं की सुरक्षा को भंग करने वालों के लिए कोई स्थान नहीं है। उन्हें कानून के अनुसार ऐसी सजा दी जाएगी, जो समाज के लिए एक उदाहरण बने। जांचकताओं ने बताया कि मुंबई निवासी घनश्याम रोहेरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी समाले ने नवंबर 2015 में दुबई में इस्लाम धर्म अपना लिया और अपना नाम क्रमशः जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रख लिया। बाद में, जमालुद्दीन और उसका परिवार बलरामपुर में चांद औलिया दरगाह के पास रहने लगा, जहाँ वह खुद को सूफी संत हजरत बाबा जमालुद्दीन 'पीर बाबा' बताता था।

यूपी के विभिन्न जिलों में दर्ज एफआईआर के अनुसार, दंपति ने कथित तौर पर कम से कम 40 लोगों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए लालच दिया। एडीजीपी (कानून और व्यवस्था), अमिताभ यश ने कहा, "स्वयंभू आध्यात्मिक नेता जमालुद्दीन ने एक धर्म परिवर्तन नेटवर्क का संचालन किया। एसटीएफ ने समूह की गतिविधियों की जांच शुरू की, जिसमें एक जटिल ऑपरेशन का खुलासा हुआ, जिसमें लोगों को रोमांटिक रिश्तों, बल या प्रलोभन के माध्यम से धर्म परिवर्तन के लिए लुभाया जाता था।"

उन्होंने कहा, "जांच में यह भी पता चला कि गिरोह नाबालिगों का धर्म परिवर्तन करने में शामिल था। इसके संचालन की वित्तीय जांच से पता चला कि कथित तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए विदेशी स्रोतों से 40 खातों में 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि भेजी गई थी। इन निष्कर्षों के आधार पर, एसटीएफ ने एक मामला दर्ज किया, जिसकी जांच वर्तमान में एटीएस द्वारा की जा रही है।

पुलिस ने कहा कि जमालुद्दीन के ठिकाने से बरामद एक डायरी में 100 से अधिक लोगों के नाम थे, जिन्हें धर्म परिवर्तन के लिए लालच दिया जा सकता था। मामले के राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निहितार्थों को देखते हुए, राज्य पुलिस ने एनआईए और ईडी को शामिल करते हुए बहु-एजेंसी जांच की मांग की है।

सीएम नायब सिंह सैनी ने आचार्य भिक्षु स्वामी जी को दी श्रद्धांजलि, 300वीं जयंती समारोह में की शिरकत

'महापुरुषों के सिद्धांतों से प्रेरणा लेकर करें नैतिक समाज का निर्माण'

संजना भारती संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि महापुरुषों के विचार और सिद्धांत आज भी हमें जीवन जीने की सही दिशा दिखाते हैं। यदि हम उनके आदर्शों को अपनाएं और अपने आचरण में उतारें, तो एक नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण संभव है। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति नैतिक मूल्यों से परिपूर्ण होगा, तभी विकसित भारत का सपना साकार हो सकेगा। यदि हम एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत बनाना चाहते हैं, तो इसके लिए एक मजबूत, नैतिक और चरित्रवान समाज का निर्माण सबसे पहली आवश्यकता है। महापुरुषों की प्रेरणा से ही हम यह लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं।

मुख्यमंत्री चंडीगढ़ में आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी की 300वीं जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने मंचासीन परम श्रद्धेय मुनिश्री विनय कुमार आलोक जी, मुनिश्री सुधाकर जी, मुनिश्री अभय कुमार आलोक जी, मुनिश्री नरेश जी, स्वामी सम्पूर्णानन्द ब्रह्मचारी जी महाराज सहित समस्त मुनिजनों को सादर नमन किया और कहा कि यह उनका सौभाग्य है कि उन्हें इस पावन अवसर पर तेरापंथी समाज के श्रद्धालुओं के बीच आने का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि देश की धरा संतों की धरा है। संतों के कारण ही हमारी संस्कृति जीवित है। मुख्यमंत्री ने जैन मुनियों की तपस्वी जीवनचर्या की सराहना करते हुए कहा कि वे भौतिकवादी युग में त्याग और संयम की प्रतिमूर्ति हैं। तीर्थंकरों और मुनियों द्वारा प्रतिपादित सिद्धांत आज भी मानव समाज को दिशा देने वाले हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी केवल एक मुनि नहीं, बल्कि एक साहसी और क्रांतिकारी विचारक थे। उन्होंने धर्म में व्याप्त कुरीतियों पर चोट की और अध्यात्म को तर्कसंगत दिशा दी। विक्रम संवत 1783 में कंटालिया गांव में जन्मे ह्यभीखणह्न का आचार्य बनने तक का जीवन त्याग, तपस्या और सत्य की साधना से भरा हुआ था। उन्होंने विक्रम संवत 1817 में तेरापंथ की स्थापना की, जो केवल एक पंथ की शुरूआत नहीं थी, बल्कि धर्म को उसके सबसे शुद्ध रूप में पुनः स्थापित करने का एक साहसी आंदोलन था। 'एक आचार्य, एक विधान और एक विचार' का सिद्धांत तेरापंथ का आधार बना, जो अनुशासन, एकता और निष्ठा का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु जी की शिक्षाएं आज के युग में भी अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने बताया कि अहिंसा केवल मारपीट न करना ही नहीं है, बल्कि मन, वचन और कर्म से पवित्र होना ही सच्ची अहिंसा है। आज के तनावपूर्ण और असहिष्णुता से भरे माहौल में यह विचार समाज को जोड़ने का काम कर सकता है। उन्होंने अनेकांतवाद की चर्चा करते हुए कहा कि यह दर्शन लोकतंत्र की आत्मा है, जो विभिन्न दृष्टिकोणों के सम्मान की प्रेरणा देता है। अपरिग्रह का संदेश आज की उपभोक्तावादी प्रवृत्ति, संग्रह और भ्रष्टाचार के विरुद्ध एक नैतिक आधार है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आचार्य भिक्षु जी मानते थे कि जब व्यक्ति सुधरेगा, तब समाज और राष्ट्र भी अपने आप सुधर जाएगा। हमारा भी यही विश्वास है कि राष्ट्र का सशक्त निर्माण नैतिक मूल्यों की नींव पर ही संभव है। मुख्यमंत्री ने युवाओं से विशेष अपील करते हुए कहा कि वे आचार्य श्री भिक्षु स्वामी जी के जीवन से प्रेरणा लें, उनके विचारों को पढ़ें और समझें। उनका जीवन निडरता, सच्चाई, संयम और देशसेवा की अद्भुत प्रेरणा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत देश विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, और यह लक्ष्य तभी पूरा हो सकता है जब समाज चरित्रवान, संयमी और नैतिक मूल्यों से युक्त हो।

इस अवसर पर मुनि श्री विनय कुमार आलोक एवं मुनिश्री सुधाकर जी ने मुनि श्री भिक्षु जी महाराज के जीवन एवं तेरापंथ के सिद्धांत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महापुरुषों की शिक्षाओं पर बोलना आसान है, परंतु उन शिक्षाओं को जीवन में अमल में लाना कठिन कार्य है। हम सभी को उनकी वाणी को अपने जीवन में अपनाना चाहिए। तेरापंथ की मुख्य विशेषता 'एक गुरु, एक विधान' है तथा पंथ के अनुयायी अपने गुरु के प्रति अटूट श्रद्धा रखते हैं।

उपराज्यपाल और मंत्री ने आईटीओ और सद्भावना पार्क का संयुक्त निरीक्षण किया

दिल्ली को जलभराव और जल संकट से राहत दिलाने की दिशा में दो प्रभावी पहल

संजना भारती संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली को जलभराव, जल संकट और पर्यावरणीय असंतुलन से निजात दिलाने की दिशा में दो महत्वपूर्ण और प्रभावशाली प्रयास जमीन पर उतरे। उपराज्यपाल विनय सक्सेना और दिल्ली सरकार में लोक निर्माण एवं जल मंत्री श्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने आज संयुक्त रूप से राजधानी के दो प्रमुख स्थलों- आईटीओ चौराहा और सद्भावना पार्क- का निरीक्षण किया।

निरीक्षण की शुरूआत उस स्थान से हुई, जो वर्षों से मानसून के दौरान दिल्ली की सबसे बड़ी परेशानी बन चुका था- आईटीओ चौराहा। हल्की बारिश में भी यहां जलभराव के कारण ट्रैफिक जाम आम बात थी, जिससे लाखों दिल्लीवासियों को रोजाना दिक्कतों का सामना करना पड़ता था। इस बार PWD ने इस चुनौती को गंभीरता से लेते हुए व्यापक स्तर पर तकनीकी सुधार किए हैं। इलाके के नालों को फिर से डिजाइन किया गया, कई जगहों पर नई ड्रेनेज लाइनें बिछाई गईं, और जलनिकासी की पूरी प्रणाली को आधुनिक पंपों और सेंसर-आधारित नियंत्रण व्यवस्था से सुसज्जित किया गया।

मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहाः आईटीओ अब जलभराव का प्रतीक नहीं, समाधान का मॉडल बनेगा। मैं अपने विभाग के अधिकारियों और इंजीनियरों को बधाई देता हूं जिन्होंने दिन-रात मेहनत करके यह बदलाव जमीन पर उतारा। उन्होंने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार का उद्देश्य उन तमाम जलभराव हॉटस्पॉट्स को चिन्हित कर स्थायी समाधान देना है, जो वर्षों से अनदेखे पड़े थे।

इसके बाद उपराज्यपाल और मंत्री जी ने पूर्वी दिल्ली में DDA द्वारा विकसित सद्भावना पार्क का निरीक्षण किया। यह पार्क राजधानी में पर्यावरण-संवेदनशील शहरी विकास का बेहतरीन उदाहरण बनकर उभरा है।

इस पार्क की सबसे खास बात यह है कि इसके नीचे एक अत्याधुनिक Sewage Treatment Plant (STP) बनाया गया है, जिसमें आसपास के इलाके से आने वाले गंदे पानी को शुद्ध कर उसी का उपयोग पार्क की सिंचाई और रख-रखाव में किया जा रहा है।

उपराज्यपाल विनय सक्सेना जी ने कहाः सद्भावना पार्क दिल्ली के भविष्य की झलक है-जहां विकास और पर्यावरण साथ-साथ चलते हैं। STP के जरिए न सिर्फ जलशोधन हो रहा है, बल्कि हर दिन हजारों लीटर पीने योग्य पानी की बचत भी सुनिश्चित हो रही है। यह मॉडल पूरी दिल्ली के लिए प्रेरणादायक है और हम इसे अन्य स्थानों पर भी दोहराना चाहते हैं। उन्होंने DDA को बधाई देते हुए कहा कि ऐसे प्रयास राजधानी को स्वच्छ, टिकाऊ और हरित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

दिल्ली के बुराड़ी अस्पताल में 55 डायलिसिस यूनिट्स हुई स्थापित

एसबी संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह की अध्यक्षता में स्वास्थ्य विभाग की एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक हुई। इस अहम बैठक के बाद स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के कुशल मार्गदर्शन और दिल्ली की माननीय मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हमारी सरकार स्वास्थ्य दिल्ली, सशक्त दिल्ली विजन पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। राजधानी के प्रत्येक नागरिकों को सस्ती, सुलभ और विश्व स्तरीय स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने के लिए दिल्ली सरकार हेल्थ सेक्टर के इंफ्रास्ट्रक्टर से लेकर सभी तरह की बुनियादी ढांचे को लगातार मजबूत करने में जुटी है।

इस महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक में स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने माननीय मंत्री महोदय डॉ. पंकज कुमार सिंह को बताया कि दिल्ली के बुराड़ी अस्पताल में 55 डायलिसिस मशीनों को स्थापित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बुराड़ी और उसके आस-पास के सघन इलाको में रहने वाले हजारों लोगों को ध्यान में रखते हुए इन 55 डायलिसिस मशीनों को स्थापित किया गया है, जिससे अस्पताल पहुंचने वाले रोगियों की बेहतरीन देखभाल की सुविधा सुनिश्चित होगी। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि बहुत जल्द दिल्ली के किसी भी नागरिक को डायलिसिस करवाने के लिए अस्पतालों के चक्कर नहीं काटने पड़े।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि दिल्ली सरकार के अस्पतालों में अब तक 21 प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र चालू हो चुके हैं। इस महीने के अंत तक दिल्ली के प्रत्येक सरकारी अस्पताल में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र स्थापित हो जाएंगे। जिससे दिल्ली के आम नागरिक को सस्ती और सुलभ दरों पर गुणवत्तापूर्ण दवाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण बदलाव लाने के लिए दिल्ली सरकार बहुत जल्द एक मॉडल डायग्नोस्टिक हेल्थ लैब दिल्ली की जनता को समर्पित करने जा रही है। इस लैब में स्वास्थ से जुड़ी समस्याओं का पता लगाने के लिए मेडिकल जांच से जुड़ी 118 तरह के जरूरी टेस्ट किए जा सकेंगे। मॉडल डायग्नोस्टिक हेल्थ लैब की स्थापना से समय पूर्व गंभीर बीमारियों की पहचान करने के साथ ही रोगियों को समय पर सटीक उपचार और रोकथाम करने में बेहद मदद मिलेगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉक्टर पंकज कुमार सिंह ने कहा कि लोगों के समग्र स्वास्थ्य, मानसिक विकारों के निदान और मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली सरकार का आयुष विभाग बुराड़ी के सरकारी अस्पताल में एक मानसिक एवं वेलनेस केंद्र की स्थापना करने जा रहा है। जो खास तौर पर मानसिक विकारों जैसे चिंता, अवसाद समेत अन्य मानसिक स्वास्थ्य के इलाज पर आधारित होगा। भारतीय पारंपरिक चिकित्सा पद्धतियों पर आधारित मानसिक एवं वेलनेस केंद्र जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों और मानसिक स्वास्थ्य विकारों की रोकथाम के लिए एकीकृत सेवाएं प्रदान करेगा।

इस केंद्र को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में शुरू किया जा रहा है। जिसकी सफलता के बाद ऐसे और मानसिक एवं वेलनेस केंद्र दूसरे सरकारी अस्पतालों में भी भविष्य में स्थापित किए जाएंगे।

पंजाब बना देश का पहला राज्य, हर परिवार को मिलेगा 10 लाख रुपए का कैशलेस इलाज

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। मुख्य मंत्री भगवंत सिंह मान और आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक द्वारा 'मुख्य मंत्री सेहत योजना' की शुरूआत के साथ पंजाब ने स्वास्थ्य क्रांति के एक नए युग में प्रवेश किया। इस योजना के लागू होने के साथ, पंजाब देश का पहला राज्य बन गया है, जहां सभी नागरिकों को 10 लाख रुपए तक का नकद रहित इलाज (कैशलेस ट्रीटमेंट) उपलब्ध होगा।

यहां म्यूनिसिपल भवन में 'मुख्य मंत्री सेहत योजना' के शुभारंभ के अवसर पर सभा को संबोधित करते हुए मुख्य मंत्री ने कहा कि राज्य में कई परिवार गंभीर बीमारियों से पीड़ित थे, लेकिन इलाज महंगा होने के कारण मजबूरी में जीवन बिताते थे। उन्होंने कहा कि लोगों ने तो उम्मीदें भी छोड़ दी थीं, क्योंकि उन्हें इलाज के लिए जमीन या घर-बार बेचना पड़ता था। भगवंत सिंह मान ने दुख के साथ कहा कि पिछली सरकारों की निकम्मी कार्यप्रणाली के कारण इस गंभीर मुद्दे पर किसी ने ध्यान नहीं दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अब नई स्वास्थ्य योजना के शुरू होने से राज्य के सभी निवासी 10 लाख रुपए तक के नकद रहित इलाज के हकदार होंगे।

'सरकारी और निजी अस्पतालों में हर बीमारी का इलाज निशुल्क किया जाएगा'

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के सभी सरकारी और सूचीबद्ध निजी अस्पतालों में इलाज मुफ्त होगा, जिससे आम आदमी को बड़ी राहत मिलेगी। भगवंत सिंह मान ने कहा कि अब राज्य के किसी भी निवासी को गंभीर बीमारियों का इलाज कराने के लिए अपनी जेब से एक भी पैसा नहीं देना पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अरविंद केजरीवाल को स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पानी और बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों को केंद्र में लाने का श्रेय जाता है। उन्होंने कहा कि ये क्षेत्र उनकी सरकार की पांच प्रमुख प्राथमिकताएं हैं और इसके लिए कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है। भगवंत सिंह मान ने कहा कि जब दूसरी राजनीतिक पार्टियां केवल नफरत और विभाजनकारी एजेंडे को बढ़ावा दे रही थी, तब केजरीवाल के नेतृत्व में 'आप' ने इन पांच क्षेत्रों को प्राथमिकता देकर राजनीति को नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नया स्वास्थ्य कार्ड लोगों को बिना किसी औपचारिकता के मुफ्त जारी किया जाएगा और इससे उन्हें गुणवत्तापूर्ण इलाज मिलेगा। उन्होंने कहा कि एक तरफ प्रधानमंत्री लोगों से जन्म का प्रमाण मांग रहे हैं, जबकि लोग दशकों से वोट डाल रहे हैं, और दूसरी तरफ हमारी सरकार बिना किसी शर्त के स्वास्थ्य कार्ड जारी कर रही है। जन्म के प्रमाण मांगने की आलोचना करते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा कि पंजाब ने देश के विभाजन का दर्द झेला, जब लाखों लोग मारे गए और बड़ी संख्या में लोग बेघर हो गए।

कांवड़ यात्रा के दौरान दिल्ली में मीट की दुकानों पर ताला!

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। हिंदू कैलेंडर के पवित्र महीने सावन के दौरान श्रद्धालु पवित्र नदियों से जल लेकर विभिन्न मंदिरों में भगवान शिव को चढ़ाने के लिए कांवड़ यात्रा करते हैं। इस साल कांवड़ यात्रा 11 जुलाई से शुरू होगी।

11 जुलाई से 23 जुलाई तक चलने वाली कांवड़ यात्रा के दौरान, यूपी की तर्ज पर अब दिल्ली में भी मीट की दुकानें बंद रहेंगी। इस बात की जानकारी मंत्री और भारतीय जनता पार्टी के नेता कपिल मिश्रा ने दी। मिश्रा ने संवाददाताओं से कहा कि इनमें से ज्यादातर मीट की दुकानें वैसे भी अवैध हैं और कानून के मुताबिक इन्हें नहीं चलना चाहिए। लेकिन कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें खास तौर पर बंद रखा जाएगा।

हालांकि, मंत्री ने यह स्पष्ट नहीं किया कि यह प्रतिबंध केवल तीर्थयात्रा मार्ग पर पड़ने वाली मांस की दुकानों पर ही लागू होगा या नहीं। उन्होंने कहा कि इसको लेकर मांग की जरूरत नहीं है। कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें विशेष रूप से बंद रखा जाएगा। ये सभी अवैध दुकानें हैं और हम कांवड़ यात्रा के दौरान इन्हें संचालित करने की अनुमति नहीं दे सकते। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने भी अधिकारियों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि राज्य में कांवड़ यात्रा मार्ग पर कोई मांस न बेचा जाए।

26 जून को सरकार ने यह भी आदेश दिया कि तीर्थयात्रा मार्ग पर सभी भोजनालयों को अपने मालिकों के नाम प्रदर्शित करने होंगे।

दूसरी ओर जंगपुरा से भाजपा विधायक तरविंदर सिंह मारवाह ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर दिल्ली में कांवड़ यात्रा मार्ग पर सभी शराब और मांस की दुकानों को अस्थायी रूप से बंद करने का अनुरोध किया था।

सम्पादकीय

ब्रिक्स में भारत का बढ़ता वर्चस्व

ब्राजील के रियो डी जनेरियो में रविवार को हुए 17वें ब्रिक्स सम्मेलन में सदस्य देशों ने 31 पेज और 126 पॉइंट वाला एक जॉइंट घोषणा पत्र जारी किया। इसमें पहलगाम आतंकी हमले और ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की गई। इससे पहले 1 जुलाई को भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया की मेंबरशिप वाले क्वाड ग्रुप के विदेश मंत्रियों की बैठक में भी पहलगाम हमले की निंदा की गई थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस समिट में पहलगाम की आतंकी घटना पर कठोर शब्दों में कहा कि पहलगाम आतंकी हमला सिर्फ भारत ही नहीं, बल्कि पूरी इंसानियत पर चोट है। आतंकवाद की निंदा हमारा सिद्धांत होना चाहिए, सुविधा नहीं। मोदी ने शांति एवं सुरक्षा सत्र में कहा कि पहलगाम में हुआ कायरतापूर्ण आतंकवादी हमला भारत की आत्मा, पहचान और गरिमा पर सीधा हमला है। इसके साथ ही उन्होंने एक नई विश्व व्यवस्था की मांग उठाई। भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस समिट में महत्वपूर्ण मुद्रा में दिखाई दिये। उन्होंने एक बार फिर इसके विस्तार की बात की और सदस्य देशों से भी आग्रहपूर्ण ढंग से दबाव बनाया कि कि ब्रिक्स को विस्तार होना चाहिए। ब्रिक्स यानी बी से ब्राजील, आर से रूस, आई से इंडिया (भारत), सी से चीन और एस से दक्षिण अफ्रीका-ये दुनिया की पांच सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था वाले देशों का एक समूह है। ब्रिक्स एक ऐसा बहुपक्षीय मंच है, जो उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग, वैश्विक विकास और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बल देता है। ब्रिक्स समिट काफी सफल एवं निर्णायक रहा है। ब्रिक्स सम्मेलन में आतंकवाद, विशेषकर कश्मीर में फैले इस्लामी आतंकवाद को लेकर चर्चा ने इस मंच को वैश्विक राजनीति की दिशा तय करने वाले संगठनों की अग्रिम पंक्ति में खड़ा कर दिया है। इसमें भारत की भूमिका, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की निर्णायक भूमिका रही है। इन शक्तिसम्पन्न पांचों देशों का वैश्विक मामलों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है और दुनिया की लगभग 40 फीसदी आबादी का प्रतिनिधित्व करते हैं। चीन इसे अपने हित के लिए इस्तेमाल करना चाहता है, जबकि भारत इसे सही मायनों में लोकतांत्रिक संगठन बनाना चाहता है। भारत चाहता है कि ब्रिक्स समूह मिलकर दुनिया में शांति, सह-जीवन, अहिंसा, लोकतांत्रिक मूल्य, समानता एवं सह-अस्तित्व पर बल देते हुए दुनिया को युद्ध, आतंक एवं हिंसामुक्त बनाया जाये।

कविता

हिन्दी भाषा

जग में सबसे सुंदर भारत
हिन्दी जिसकी भाषा है
प्रेम भाव से ओत प्रोत
हर मानव की अभिलाषा है

हिन्दी दिवस मनाया जाय
नहीं विषय है यही देश का
मान और सम्मान मिले
हर जिह्वा पर हो नाम इसी का

तुलसी, कालीदास कबीर
जो भारत की पहचान बने
हिन्दी भाषा ही ऐसी है
जहां कवियों का बागान बने

अपनत्व भरी इस भाषा में
मातृत्व झलकता कैसा है
सो जाए बालक गोदी में
लोरी का अनुभव ऐसा है

सीने से लिपटा लो इसको
यह भाषा बड़ी दुलारी है
हर इक भाषा से हटकर ये
हिन्दी भाषा मनो हारी है

-गीता राठौर 'गुंजन'
संगीत शिक्षिका एवं कवयित्री, पूरनपुर, पीलीभीत

जयंती

गुरु दत्त

जन्म-9 जुलाई, 1925 बंगलोर; मृत्यु-10 अक्तूबर, 1964 बंबई) भारतीय सिनेमा में फिल्म निर्माता-निर्देशक और अभिनेता थे। 'गुरु दत्त' का वास्तविक नाम "वसंथ कुमार शिवशंकर पादुकोण" था। गुरु दत्त अपने आप में एक संपूर्ण कलाकार बनने की पूरी पात्रता रखते थे। वे विश्व स्तरीय फिल्म निर्माता और निर्देशक थे। साथ ही में उनकी साहित्यिक रुचि और संगीत की समझ की झलक हमें उनकी सभी फिल्मों में दिखती ही है। वे एक अच्छे नर्तक भी थे, क्योंकि उन्होंने अपने फिल्मी जीवन का आगाज किया था प्रभात फिल्म्स में एक कोरियोग्राफर की हैसियत से। अभिनय कभी उनकी पहली पसंद नहीं रही, मगर उनके सरल, संवेदनशील और नैसर्गिक अभिनय का लोहा सभी मानते थे। उन्होंने प्यासा के लिये पहले दिलीप कुमार का चयन किया था। वे एक रचनात्मक लेखक भी थे और उन्होंने पहले पहले 'इल्लस्ट्रेटड वीकली ऑफ इंडिया' में कहानियां भी लिखी थीं।

पुण्यतिथि

सरदार अंजुम

जन्म-1941; मृत्यु-9 जुलाई, 2015) भारत के प्रख्यात शायर एवं लेखक हैं। उन्हें भारत सरकार द्वारा 2005 में साहित्य एवं शिक्षा के क्षेत्र में पद्म भूषण से सम्मानित किया था।

कल मिलेंगे

पति-पत्नी के बीच हुई जबरदस्त लड़ाई
पत्नी बाजार जाके जहर लाई और खा लिया
लेकिन वो मरी नहीं बल्कि बीमार पड़ गई
पति गुस्से से बोला-100 बार कहा है कि चीजें देख कर खरीदा करो,
अब पैसे भी गए और काम भी नहीं हुआ....

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।

RNI No. : DELHIN/2016/70240

Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

अपनी पहचान जाहिर करने में कैसी शर्म!

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं

-डॉ. आशीष वशिष्ठ

भगवान शंकर के प्रिय माह सावन की शुरूआत 11 जुलाई से है। सावन की शुरूआत के साथ ही कांवड़ यात्रा का शुभारंभ हो जाएगा। कांवड़ यात्रा में शिवभक्त नंगे पांव हाथ में कांवड़ लेकर लंबी दूरी तय करके शिवलिंग या ज्योतिर्लिंग में जाते हैं और पवित्र नदियों के जल से उनका अभिषेक करते हैं।

उत्तर प्रदेश में बड़े पैमाने पर कांवड़ यात्रा निकालने की परंपरा है। कांवड़ यात्रा का विराट रूप पश्चिमी उत्तर प्रदेश में दिखता है। हरिद्वार से कांवड़ लेकर निकलने वाले कांवड़ यात्री इस मार्ग से निकलते हैं। इस मार्ग में भगवान शिव के कई बड़े प्राचीन एवं प्रसिद्ध मंदिर हैं। यहां पर श्रद्धालु भगवान का जलाभिषेक करते हैं। मुजफ्फरनगर, शामली, मेरठ से लेकर गाजियाबाद, हापुड़ तक के शिव मंदिरों में इस मार्ग से गंगाजल लेकर भक्त कांवड़ यात्रा निकालते हैं। लेकिन कांवड़ यात्रा शुरू होने से पहले ही पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कांवड़ यात्रा मार्ग पर तनाव बढ़ गया है।

असल में, मुजफ्फरनगर जिले के बघरा गांव में योग साधना आश्रम के संचालक और सनातन धर्म के प्रचारक स्वामी यशवीर महाराज पिछले कुछ वर्षों से कांवड़ मार्ग पर दुकानों और ढाबों पर नेम प्लेट लगाने की मांग करते रहे हैं। उनका कहना है कि कांवड़ मार्ग पर कुछ लोग हिंदू देवी-देवताओं के नाम पर ढाबे और दुकानें चलाकर शिव भक्तों को धोखा दे रहे हैं। पहचान छुपाकर धोखा देने वाले कई मामले सामने आने के बाद पिछले साल उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड सरकारों ने आदेश जारी किए कि कांवड़-यात्रा के मार्ग के ढाबे, होटल, रेस्तरां, दुकानदार, खोमचेवाले स्पष्ट नाम पट्टिका लगाएंगे। सरकार का मंतव्य है कि कांवडियों की आस्था और श्रद्धा खंडित न हो। सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश इस पर रोक लगा दी थी। हालांकि, इस साल भी उप्र और उत्तराखंड की सरकारों ने पिछले साल की भांति आदेश जारी किए हैं। ताजा प्रकरण यह है कि, स्वामी यशवीर महाराज और हिंदूवादी संगठन के कार्यकर्ता कांवड़ मार्ग स्थित दिल्ली-दून हाईवे स्थित पंडित वैष्णो ढाबा पर पहुंचे। वास्तव में, ढाबा मुस्लिम का था, लेकिन बोर्ड पर लिखा था-पंडित का शुद्ध वैष्णो ढाबा। यानी पहचान छिपाने का अपराध किया गया था। पंडित वैष्णो ढाबे को सनव्वर नाम का एक मुस्लिम व्यक्ति चलाता है। इस ढाबे में उसका बेटा आदिल और जुबैर समेत दो अन्य लोग भी काम करते हैं।

कहा जा रहा है कि यशवीर महाराज और अन्य ने ढाबे के मालिक और कर्मचारियों की धार्मिक पहचान जांचने के लिए पैंट उतरवाई। विवाद यहीं से भडका। आग में घी डालते हुए समाजवादी पार्टी के पूर्व सांसद एसटी हसन ने पहचान वाले मामले को पहलगाम आतंकी हमले से जोड़ने का काम किया। हसन ने कहा कि, "मैं पूछना चाहता हूं कि क्या आम नागरिकों को अधिकार है कि वह किसी दुकानदार की पैंट उतरवाकर चेक कर सकते हैं? क्या पहलगाम में आतंकियों ने पैंट नहीं उतरवाई थी? ऐसा करने वाले और पहलगाम के आतंकवादियों में क्या अंतर रह गया?"

उस ढाबे पर यह घटना हुई अथवा नहीं, पुलिस इसकी जांच कर रही है। लेकिन प्रकरण को सांप्रदायिक मोड़ दे दिया गया। पहलगाम एक सुनियोजित आतंकी कृत्य था। इन दोनों घटनाओं की तुलना करना न केवल तथ्यात्मक रूप से गलत है, बल्कि यह समाज में धार्मिक आधार पर तनाव पैदा करने का प्रयास भी है। जहां तक बात पहचान छुपाने या धोखा देने की है तो यह धंधा लंबे समय से चल रहा है। जुलाई, 2021 में गाजियाबाद में दो ऐसे मुसलमान दुकानदारों का पता चला था, जो हिंदू नाम से दुकान चला रहे थे। इनमें एक दुकान पुरानी सब्जी मंडी में है, जिसका नाम है 'न्यू अग्रवाल पनीर भंडार।' इस दुकान का मालिक है मंजूर अली। दूसरी दुकान 'लालाजी पनीर भंडार' के नाम से है। इसका मालिक ताहिर हुसैन है। इन दोनों का कहना था कि हिंदू नाम रखने से ग्राहक कम पूछताछ करते हैं और धंधा अच्छा चलता है। यानी ये धंधे के लिए हिंदुओं के साथ धोखा कर रहे थे। इनकी पोल तब खुली जब कुछ लोगों को पता चला कि इनका जीएसटी नंबर इनके असली नाम से है। स्थानीय दुकानदारों ने इनका विरोध किया तो इन लोगों ने अपनी दुकानों के नाम बदल लिए हैं।

पिछले साल कांवड़ यात्रा के समय जब नेम प्लेट लगाने के आदेश जारी हुए थे, तो खूब हंगामा मचा था। उस समय सोशल मीडिया से लेकर अखबारों और समाचार चैनलों तक में इस बात की बड़ी चर्चा थी कि कैसे एक आदेश के चलते रातों रात मुजफ्फरनगर का 'संगम शुद्ध शाकाहारी होटल' बन गया 'सलीम ढाबा।' 'मां भवानी जूस कार्नर' का नाम हो गया 'फहीम जूस केंद्र।' 'टी प्वाइंट' का नाम हो गया 'अहमद टी स्टाल।' ऐसे ही 'नीलम स्वीट्स' का मालिक निकला मोहम्मद फजल अहमद। 'अनमोल कोल्ड ड्रिंक्स' का मालिक है मोहम्मद कमर आलम। खतौली के 'चीतल ग्रैंड' के बाहर एक बोर्ड लग गया है, जिस पर लिखा गया है- शारिक राणा डायरेक्टर। सहारनपुर में चल रहे 'जनता वैष्णो ढाबा' का मालिक है मोहम्मद अनस सिद्दीकी। मुजफ्फरनगर के बझेड़ी गांव निवासी वसीम अहमद ने पिछले साल पहचान जाहिर होने के बाद अपना 'गणपति' ढाबा बेच दिया।

एक रिपोर्ट के अनुसार देहरादून-नैनीताल राजमार्ग पर 20 से अधिक ढाबे ऐसे हैं, जो हिन्दू देवी-देवताओं के नाम पर हैं, लेकिन इन्हें चलाने वाले मुसलमान हैं। हरिद्वार नजीबाबाद रोड पर चिडियापुर और समीरपुर गंग नहर रोड पर भी ऐसे हिंदू नामधारी ढाबे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं। मेरठ, गजरौला, गढ़मुक्तेश्वर, मुंडा पांडे हाईवे पर भी दर्जनों ऐसे ढाबे चल रहे हैं, जिनके मालिक मुसलमान हैं।

मीडिया रिपोर्टस के अनुसार, धोखा देने के लिए ये लोग होटल के अंदर हिंदू देवी-देवताओं के चित्र भी रखते हैं, ताकि हिंदू यात्रियों को लगे कि वे किसी हिंदू होटल में ही खाना खा रहे हैं। लेकिन जब कोई ग्राहक ऑनलाइन पैसा देता है, तब पता चलता है मालिक मुसलमान है। इन ढाबों और होटलों में काम करने वाले लोगों के नाम राजू, विक्की, गुड्डू, सोनू जैसे होते हैं। ये लोग तिलक भी लगाते हैं और कलावा भी बांधते हैं। यह धोखा नहीं तो क्या है? मुजफ्फरनगर के पंडित वैष्णो ढाबे पर काम करने वाले तजमुल ने खुद को गोपाल बताया था। हरिद्वार में गुप्ता चाट भंडार में स्कैनर से पेमेंट गुलफाम नाम के अकाउंट में जाने का मामला बीते दिनों प्रकाश में आया है। अहम सवाल यह है कि पहचान छुपाकर व्यापार करने के पीछे कोई मजबूरी है या षडयंत्र? मुस्लिम व्यक्ति को अपने नाम से दुकान या ढाबा खोलने में क्या दिक्कत है? अपने-अपने धर्म के हिसाब से नाम लिखकर लोग दुकान खोलेंगे या व्यापार करेंगे तो ग्राहक अपनी मजी से दुकान पर जाएगा और जिसे जहां से जो खरीदना होगा, वो वहां से खरीदेगा। लेकिन पहचान छुपाकर व्यापार या कोई अन्य कार्य करना कानून और नैतिक तौर पर गलत और अपराध है। ऐसी घटनाएं और प्रकरण प्रकाश में आने के बाद संदेह और अविश्वास का माहौल बनता है। जो सामाजिक, राजनीतिक और कानून व्यवस्था के मोर्चे पर दिक्कतें पैदा करता है।

बात जब खाने पीने की हो तो मामला गंभीर और संवेदनशील हो जाता है। खानपान के पीछे व्यक्तिगत रूचि, संस्कार, धर्म-कर्म और आस्था की पृष्ठभूमि और भूमिका होती है। इसमें कोई दो राय नहीं है कि शासन-प्रशासन के नेम प्लेट के आदेश से किसी की भावनाएं आहत नहीं होतीं। खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 में स्पष्ट प्रावधान है कि खानपान के दुकानदारों को अपना फूड लाइसेंस ऐसी जगह लगाना होगा, जहां आसानी से उसे देखा जा सके।

वैसे भी ये मसला हिंदू-मुस्लिम, धार्मिक भेदभाव या किसी की आजीविका की बजाय सीधे तौर भावनाओं और ग्राहक के अधिकार से जुड़ा है। जो करोड़ों की संख्या में कांवड़िए हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने गंतव्य की ओर जाते हैं, उन सबको रास्ते में भोजन कैसा मिले? कैसा भोजन वो खाएं? ये उनकी स्वतंत्रता है। जब मुसलमान हलाल प्रमाणपत्र देखकर ही कोई सामान खरीदता है, तब हिंदू भी ऐसा क्यों नहीं कर सकता है!

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

जी7 के मुकाबले ब्रिक्स देशों की जवाबी रणनीति से अमेरिकी चिढ़ के अंतरराष्ट्रीय मायने को ऐसे समझिए

सच कहा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को ऐसे ही टारगेट नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसका एक बड़ा कारण ये भी है कि ब्रिक्स अब वैश्विक आबादी का 45 प्रतिशत हिस्सा है और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 35 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। अब अगर वे वैश्विक व्यापार में इस समूह में शामिल बड़े देशों द्वारा डॉलर के उपयोग को कम किया जाएगा, तो ये अमेरिका के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा

-कमलेश पांडेय

अमेरिकी नेतृत्व वाले जी-सेवन के मुकाबले ब्रिक्स देशों की जवाबी रणनीति और उसके बारे में सम्बन्धित देशों के द्वारा ना-नुकुर करते रहने से विफरे अमेरिकी चिढ़ के अंतरराष्ट्रीय मायने स्पष्ट हैं और ये देर-सबेर अमेरिका पर ही भारी पड़ने वाले हैं। यद्यपि डोनाल्ड ट्रंप का टैरिफ ब्रेक के बाद फिर से दुनिया में हलचल मचाने लगा है, क्योंकि गत सोमवार को ही उन्होंने अपने मित्र जापान-साउथ कोरिया समेत 14 देशों पर फ्रेश टैरिफ लगाने का ऐलान किया है।

वहीं इससे पहले ब्रिक्स पर निशाना साधते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंफ ने कहा है कि जो देश अमेरिकी नीतियों के खिलाफ जाएगा, उस पर 10 फीसदी अतिरिक्त टैरिफ लगाया जाएगा। हालांकि ट्रंप की इस चेतावनी को लेकर ब्रिक्स में शामिल सदस्य देशों ने कड़ी आलोचना की है। इसलिए स्वाभाविक सवाल है कि आखिर ऐसी कौन सी वजह है, जिसे लेकर ब्रिक्स देश ट्रंप के टारगेट पर हैं और इन अतिरिक्त टैरिफ का इन देशों पर क्या असर होगा, जिसमें उसका कथित मित्र भारत भी शामिल है?

उल्लेखनीय है कि ब्रिक्स दुनिया की उभरती अर्थव्यवस्थाओं का एक समूह है। इसके संस्थापक सदस्य देशों में ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका हैं। दरअसल, इसका नाम भी इन्हीं पांच देशों के पहले अक्षर को लेकर बनाया गया है। ब्रिक्स का उद्देश्य उभरती अर्थव्यवस्थाओं वाले देशों में आर्थिक सहयोग, विकास और वैश्विक संतुलन बढ़ाना है। ब्रिक्स की स्थापना 2009 में हुई और 1 जनवरी 2024 को ईरान, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिय और संयुक्त अरब अमीरात को भी संगठन में शामिल किया गया था। वैसे तो सऊदी अरब भी इसमें आमंत्रित राष्ट्र के रूप में ग्रुप की गतिविधियों में भाग लेता है, हालांकि अभी तक वह आधिकारिक तौर पर शामिल नहीं हुआ है। शायद अपनी अमेरिकी करीबियों के चलते!

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बीते 2 अप्रैल को ही दुनिया के तमाम देशों पर रेसिप्रोकल टैरिफ का ऐलान किया था। हालांकि, बाद में इसे 90 दिन के लिए रोक दिया था। इस छूट की डेडलाइन 9 जुलाई को खत्म होने वाली थी, लिहाजा इसे 1 अगस्त 2025 तक बढ़ाया गया है। वहीं, इससे पहले सोमवार 7 जुलाई को ही ट्रंप ने अपना टैरिफ बम फोड़ना शुरू कर दिया और जापान-साउथ कोरिया के अलावा म्यांमार, लाओस, दक्षिण अफ्रीका, कजाकिस्तान, मलेशिया, ट्यूनीशिया, इंडोनेशिया, बोस्निया, बांग्लादेश, सर्बिया, कंबोडिया और थाईलैंड पर 25 फीसदी से 40 फीसदी तक टैरिफ लगाने का ऐलान कर दिया। इसी बीच उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए ब्रिक्स देशों के लिए एक चेतावनी भी जारी की।

अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने ट्रुथ सोशल अकाउंट पर लिखा है कि जो भी देश ब्रिक्स की एंटी-अमेरिकन पॉलिसी का समर्थन करेंगे, उन पर 10 फीसदी का एक्स्ट्रा टैरिफ लगाया जाएगा और अमेरिका की इस नीति में किसी भी तरह की कोई छूट की गुंजाइश नहीं है। इशारा स्पष्ट इशारा भारत की ओर था। यहां बता दें कि ब्राजील के रियो डी जनेरियो में 6-7 जुलाई को संपन्न हुए ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के बाद जारी एक घोषणापत्र में यूएस टैरिफ की आलोचना की गई थी, जिसके बाद डोनाल्ड ट्रंप की ये तीखी प्रतिक्रिया सामने आई है।

इसलिए सवाल दर सवाल उभरता है कि आखिर क्या टैरिफ की आलोचना ही एकमात्र कारण है, जिसे लेकर डोनाल्ड ट्रंफ ब्रिक्स को टारगेट कर रहे हैं, या इसके पीछे और भी कुछ ठोस वजह हैं। यदि ऐसा है तो क्या क्या है, यह जानना हर किसी के लिए जरूरी है। पहली बात तो ये कि इस साल अमेरिकी करेंसी डॉलर में आई तगड़ी गिरावट और बीते कुछ समय में यूएस इकोनॉमी में सुस्ती के कारण ट्रंप को ऐसा लगता है कि हर कोई अमेरिका के खिलाफ साजिश कर रहा है। वहीं, दूसरा बड़ा कारण दुनिया के तमाम बड़े देशों द्वारा डॉलर के उपयोग को कम करने की दिशा में कदम बढ़ाना भी इसके पीछे की वजह समझा जा सकता है।

इस बात का एक बड़ा उदाहरण देखें, तो स्पष्ट होता है कि ब्रिक्स के संस्थापक सदस्य देशों में शामिल और आर्थिक रूप से मजबूत रूस और चीन आपस में अपनी करेंसी में ही ट्रेड करते रहे हैं। यही नहीं 2022 में तो रूस ने ब्रिक्स देशों के लिए एक इंटरनेशनल करेंसी का प्रस्ताव भी दिया था। जिससे अमेरिका का चिढ़ना स्वाभाविक है। क्योंकि डॉलर पर बड़े देशों की निर्भरता कम होना अमेरिका के प्रभुत्व के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकता है, जिसको लेकर ट्रंप की चिंता बढ़ी हुई है। वहीं, जब से अमेरिका ने ग्लोबल फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को अपना हथियार बनाया है और ईरान (2012 में) के अलावा रूस (2022 में) को विश्वव्यापी अंतरबैंक वित्तीय दूरसंचार सोसायटी से बाहर रखा गया है, तभी से दुनिया भर के देशों ने अमेरिकी डॉलर और अमेरिकी नेतृत्व वाली वैश्विक वित्तीय प्रणाली पर अपनी निर्भरता कम करने की कोशिश की है।

सच कहा जाए तो डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स को ऐसे ही टारगेट नहीं कर रहे हैं, बल्कि इसका एक बड़ा कारण ये भी है कि ब्रिक्स अब वैश्विक आबादी का 45 प्रतिशत हिस्सा है और दुनिया के सकल घरेलू उत्पाद में 35 प्रतिशत से अधिक का योगदान देता है। अब अगर वे वैश्विक व्यापार में इस समूह में शामिल बड़े देशों द्वारा डॉलर के उपयोग को कम किया जाएगा, तो ये अमेरिका के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा। वैसे भी डॉलर में इस साल येन-यूरो के मुकाबले 10 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है और ये बीते दिनों 3 साल के निचले स्तर पर पहुंच गया था। वहीं, अमेरिका की एक्स्ट्रा टैरिफ की धमकी के बाद ब्रिक्स के संस्थापक सदस्यों में शामिल ब्राजील के राष्ट्रपति लुईस इनसियो लूला दा सिल्वा ने सख्त तेवर दिखाए हैं और 10% टैरिफ लगाने की ट्रंप की धमकी को सिरे से खारिज कर दिया। साथ ही उन्होंने कहा कि अब दुनिया बदल चुकी है और हमें कोई सम्राट नहीं चाहिए। उन्होंने ठीक ही कहा कि ब्रिक्स अब वैश्विक अर्थव्यवस्था को व्यवस्थित करने के नए तरीके तलाश रहा है। मुझे लगता है कि यही वजह है कि कुछ बड़े देश/लोग खुद में असहज महसूस कर रहे हैं। वहीं चीन ने भी स्पष्ट कहा है कि ब्रिक्स किसी भी देश के खिलाफ नहीं है।

सनद रहे कि इससे पहले साल 2025 की शुरूआत में ही अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ब्रिक्स देशों को बड़ी चेतावनी देते हुए कहा था कि अगर इसमें शामिल देश वैश्विक व्यापार में डॉलर की भूमिका को चुनौती देंगे, तो फिर उन्हें 100 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना पड़ सकता है। हालांकि, ताजा चेतावनी सिर्फ 10 फीसदी की है, जो सुकून की बात है। इस बीच एक अमेरिकी मीडिया की एक रिपोर्ट की मानें, तो इसमें कहा गया है कि अमेरिका का ट्रंप प्रशासन सभी ब्रिक्स देशों पर तत्काल 10% टैरिफ लगाने की योजना नहीं बना रहा है, बल्कि अगर कोई भी देश ऐसे कदम उठाता है जिसे वह अमेरिका विरोधी मानता है, तो उसे इस तरह की अमेरिकी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

अमेरिका से मिनी ट्रेड डील, कृषि सेक्टर में नो एंट्री पर भारत कायम

(एजेन्सी)।

भारत और अमेरिका व्यापार समझौते की घोषणा कर सकते हैं। अधिकारियों ने अनुकूल समझौता होने की उम्मीद जताई है। हालांकि, डेयरी और कई कृषि उत्पादों जैसे प्रमुख क्षेत्रों को इस समझौते से बाहर रखे जाने की उम्मीद है। मकई और कुछ फलों के लिए अधिक बाजार पहुंच सहित कुछ अमेरिकी मांगों को समायोजित किए जाने की संभावना है। यह घोषणा पारस्परिक टैरिफ की समय-सीमा से पहले होने की उम्मीद है, जो आज रात समाप्त हो रही है। भारत संवेदनशील क्षेत्रों, विशेष रूप से गेहूं, मक्का, डेयरी और आनुवंशिक रूप से उगाई जाने वाली फसलों की सुरक्षा के लिए दृढ़ रुख अपना रहा है।

अमेरिका ने अपने कृषि उत्पादों के लिए बाजार पहुंच की मांग की है, लेकिन भारत अपनी खाद्य सुरक्षा और घरेलू किसानों की सुरक्षा को प्राथमिकता दे रहा है। इन मतभेदों के बावजूद, भारत कपड़ा, चमड़ा और फार्मास्यूटिकल्स पर टैरिफ कम करने को तैयार है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पहले ही घोषणा कर दी है कि व्यापार घाटे को खत्म करने और टैरिफ के माध्यम से अमेरिकी लाभ को बढ़ाने के अपने प्रयासों के तहत संयुक्त राज्य अमेरिका भारत के साथ व्यापार समझौते के करीब पहुंच रहा है। ट्रम्प ने इजरायल के राष्ट्रपति बेंजामिन नेतन्याहू के साथ एक निजी रात्रिभोज के दौरान संवाददाताओं से कहा कि हम भारत के साथ एक समझौता करने के करीब हैं। हमने यूनाइटेड किंगडम के साथ एक समझौता किया है। हमने चीन के साथ एक समझौता किया है।

हालांकि ट्रम्प ने भारत के साथ संभावित समझौते की संरचना या दायरे के बारे में विवरण नहीं दिया, लेकिन उन्होंने वैध चिंताओं वाले देशों के लिए लचीलेपन का संकेत दिया।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया के पोर्टफोलियो में बेंटले भी हुई शामिल

(एजेन्सी)।

स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड ने सोमवार को अपने परिचालन के तहत छठे ब्रांड के तौर पर ब्रिटिश सुपर लग्जरी ब्रांड बेंटले को शामिल करने की घोषणा की। कंपनी ने एक जुलाई से पूरे भारत में बेंटले ब्रांड के वाहनों के आयात, वितरण और सर्विसिंग की जिम्मेदारी ली है। स्कोडा ऑटो फॉक्सवैगन इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एसएवीडब्ल्यूआईपीएल) ने बयान में कहा कि विपणन, बिक्री और सर्विसिंग से जुड़ी सभी सेवाएं एक नई स्थापित इकाई बेंटले इंडिया के तहत संचालित की जाएंगी।

बेंटले इंडिया, एसएवीडब्ल्यूआईपीएल की ही एक समूह कंपनी है, जो ब्रांड की भारत-केंद्रित रणनीति और खुदरा नेटवर्क की देखरेख करेगी। एबी थॉमस को बेंटले इंडिया का ब्रांड निदेशक नियुक्त किया गया है और वह भारतीय बाजार में इस ब्रांड की अगुवाई करेंगे। कंपनी ने कहा कि बेंटले ब्रांड दो दशक से अधिक समय से भारत के लग्जरी कार परिदृश्य का हिस्सा रहा है। ऐसे में एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के भीतर इस ब्रांड को शामिल करने से बाजार पर इसका ध्यान केंद्रित होता है। एसएवीडब्ल्यूआईपीएल के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पीयूष अरोड़ा ने कहा, बेंटले ब्रांड का साथ जुड़ना समूह के पोर्टफोलियो को पूरा करता है।

यह जर्मन इंजीनियरिंग की सटीकता से लेकर ब्रिटिश शिल्प-कौशल के परिष्कृत एवं बेजोड़ प्रदर्शन को समेटे हुए है। कंपनी के कार्यकारी निदेशक (बिक्री, विपणन और डिजिटल) जेन ब्यूरेस ने कहा, भारत में तेजी से बढ़ते बेहद अमीर लोगों के खंड को इस सहयोग से फायदा होगा। हम अपने नए डीलर साझेदारों के साथ मिलकर ग्राहकों के लिए बेहतरीन लग्जरी और प्रदर्शन सुनिश्चित करेंगे।

दीप्ती शर्मा टी20 में नंबर-1 बनने के करीब, पाकिस्तानी गेंदबाज सादिया इकबाल को छोड़ देंगी पीछे

(एजेन्सी)।

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा आईसीसी महिला टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। इसके साथ ही वह नंबर 1 गेंदबाज बनने की दहलीज पर खड़ी हैं। दीप्ति पिछले 6 सालों में अधिकतर समय टी20 गेंदबाजों की रैंकिंग में टॉप 10 में रही हैं। टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग के ताजा अपडेट में दीप्ति को एक स्थान का फायदा हुआ है। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज एनाबेल सदरलैंड को पछाड़कर दूसरा स्थान हासिल किया है। दाएं हाथ की ये गेंदबाज अब रैंकिंग में टॉप पर मौजूद पाकिस्तान की सादिया इकबाल से महज 8 रेटिंग अंक पीछे है। इंग्लैंड के खिलाफ दीप्ति ने भारत की पांच मैचों की टी20 सीरीज के तीसरे मैच में तीन विकेट लेने के बाद अपनी ताजा रैंकिंग में सुधार किया है और ये ऑफ स्पिनर आखिरी दो मैच में बेहतरीन प्रदर्शन करके पाक की सादिया इकबाल को पछाड़ सकती है। वहीं भारत की तेज गेंदबाज अरुंधति रेड्डी ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज के हालिया मैच में तीन विकेट लेने के बाद 11 स्थान की छलांग लगाकर टी20 गेंदबाजों की सूची में 43वें स्थान पर पहुंच गई हैं। बल्लेबाजों में जेमिमा रोड्रिग्स दो पायदान ऊपर चढ़कर 12वें स्थान पर पहुंच गईं।

धुरंधर फर्स्ट लुक में दिखा रणवीर सिंह का गुस्सा

(एजेन्सी)।

रणवीर सिंह ने आदित्य धर द्वारा निर्देशित अपनी आगामी फिल्म के पहले लुक में अपना गुस्सा दिखाया है। प्रोमो के साथ ही धुरंधर की रिलीज डेट की भी घोषणा की गई। वैसे तो रणवीर ने अपने पूरे करियर में अलग-अलग तरह की भूमिकाएं निभाई हैं, लेकिन यह फिल्म अब तक की उनकी किसी भी फिल्म से अलग है। बॉलीवुड कलाकार रणवीर सिंह-अभिनीत फिल्म धुरंधर पांच दिसंबर को रिलीज होगी। निमार्ताओं ने रविवार को इसकी जानाकरी दी। उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक से प्रसिद्धि पाने वाले आदित्य धर के निर्देशन में बनी यह आगामी फिल्म जियो स्टूडियोज और बी62 स्टूडियोज द्वारा प्रस्तुत की गई है। निर्देशक आदित्य के साथ ज्योति देशपांडे और लोकेश धर भी इसके निमार्ताओं में शामिल हैं।

अभिनेता रणवीर सिंह के 40वें जन्मदिन पर फिल्म निमार्ताओं ने इस एक्शन-थ्रिलर फिल्म की पहली झलक सोशल मीडिया मंचों पर साझा की। इसमें रणवीर को गंभीर अवतार में दिखाया गया और फिल्म के लड़ाई वाले दृश्यों की झलक भी थी। पिछले साल जुलाई में घोषित इस फिल्म में अक्षय खन्ना, आर माधवन और अर्जुन रामपाल मुख्य किरदारों

में नजर आएंगे। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पहली झलक में शाश्वत द्वारा रचित एक उनकी अपनी धून है, जिसमें जैस्मीन सैंडलस ने स्वर दिए हैं। गीत के निर्माण में नए युग के उभरते कलाकार हनुमानकाइंड का भी सहयोग है।

उनकी शैली-सम्मिश्रण तकनीक इस परियोजना के ध्वनि परिदृश्य में नयापन लाती है। रणवीर की आखिरी फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी वर्ष 2023 में रिलीज हुई थी। करण जौहर द्वारा निर्दिष्ट इस फिल्म में आलिया भट, शबाना आजमी, धर्मेंद्र, अंजलि आनंद और जया बच्चन ने भी अभिनय किया था, जो बॉक्स ऑफिस पर हिट हुई थी।

क्वार्टर फाइनल में पहुंचे यानिक सिनर

(एजेन्सी)। दुनिया के नंबर वन टेनिस प्लेयर यानिक सिनर दो सेट गंवाने और कोहनी में चोट के बावजूद विंबलडन 2025 के पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने में कामयाब रहे। सिनर ने 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव को हराया है। हालांकि, वर्ल्ड के 19वें नंबर के खिलाड़ी दिमित्रोव ने सिनर के खिलाफ पहले दो सेट 6-3, 7-5 से जीत कर अपनी स्थिति मजबूत कर ली थी। लेकिन तीसरे सेट में जब स्कोर 2-2 से बराबरी पर था तब दिमित्रोव ने खेलना बंद कर दिया। बता दें कि, 34 वर्षीय दिमित्रोव का ये लगातार पांचवां ग्रैंड स्लैम टूनार्मेंच हैं जिसे वो पूरा करने में विफल रहे। वह जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन और मई में फ्रेंच ओपन के अलावा पिछले साल विंबलडन और अमेरिकी ओफन में भी मैच के बीच में हट गए थे। सिनर पहले सेट के दौरान कोर्ट पर फिसल गए थे जिससे उनकी कोहनी में चोट आई थी लेकिन उन्होंने बाद में कहा कि चोट गंभीर नहीं है और चिंता की कोई बात नहीं है। सिनर सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अमेरिका के बेन शेल्टन से भिडेंग़े। इस बीच महिला एकल में रूस की 18 वर्षीय खिलाड़ी मीर एंड्रीवा ने एम्मा नवारो को 6-2, 6-3 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। वह पिछले 18 सालों में विंबलडन के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं।

डा. राजेश गौतम को कलाकारों ने दी विदाई

एसबी संवाददाता

वाराणसी। मंगलवार को वाराणसी आकाशवाणी दूरदर्शन के सहायक केन्द्र निदेशक डा राजेश गौतम को कबीर चौरा स्थित बनारस घराने के ख्यात तबला वादक पं भोला नाथ मिश्र के आवास पर शहर के कलाकारों, समाजसेवियों और बुद्धिजीवियों ने भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर हिन्दु युवा वाहिनी के निवर्तमान मंडल अध्यक्ष और वाराणसी विकास प्राधिकरण के मानित सदस्य अम्बरीष सिंह भोला और डा विजय कपूर ने डा राजेश गौतम को मिथिला संस्कृति के प्रतीक पाग, दुपट्टा और मोमेंट देकर सम्मानित किया।

इस अवसर पर ख्यात पार्श्व गायक डा विजय कपूर, पं भोला नाथ मिश्र, डा ममता टंडन, नरोत्तम मिश्रा, राजेश त्रिवेदी, चित्रकार दास पुष्कर, माण्डवी सिंह, मनीषा द्विवेदी, मैथिल समाज उत्तर प्रदेश के संयोजक गौतम कुमार झा आदि लोग उपस्थित थे।

मान सरकार के प्रयासों से सुल्तानपुर लोधी शहर की बदलेगी सूरत: डॉ. रवजोत सिंह

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। पंजाब की मान सरकार के प्रयासों से सुल्तानपुर लोधी शहर की सूरत बदल जाएगी और शहर में अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी। यह घोषणा करते हुए पंजाब के स्थानीय निकाय मंत्री डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि 240 करोड़ रुपये के 23 प्रोजेक्ट शहर के जीवन स्तर को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाएंगे, शहरी चुनौतियों का समाधान करेंगे और एक उज्जवल भविष्य का मार्ग प्रशस्त करेंगे।

यहां सचिवालय में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों और संबंधित जिला अधिकारियों के साथ की गई समीक्षा बैठक के दौरान डॉ. रवजोत सिंह ने सुल्तानपुर लोधी शहर में स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट अंतर्गत कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने इस प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने के निर्देश देते हुए कहा कि इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से सुल्तानपुर लोधी की सूरत बदल जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रोजेक्ट सुल्तानपुर लोधी को एक आधुनिक, सक्षम और रहने योग्य शहर में बदल देगा, जिससे हमारे नागरिकों को लाभ होगा और विकास होगा।

सुल्तानपुर लोधी के बुनियादी ढांचे में क्रांति लाने की घोषणा करते हुए स्थानीय निकाय मंत्री ने कहा कि 29.57 करोड़ रुपये के 6 प्रोजेक्ट, जिनमें जल आपूर्ति और सीवरेज, जब्बोवाल में 4 एमएलडी सीवरेज ट्रीटमेंट प्लांट (एस.टी.पी.), बिजली बचाने के लिए सरकारी इमारतों पर सोलर पावर प्लांट, शिक्षा प्रणाली को बढ़ाने के लिए स्मार्ट प्राइमरी स्कूल पहले ही पूरे हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, 106.71 करोड़ रुपये के 12 प्रोजेक्ट लागू किए जा रहे हैं।

डॉ. रवजोत सिंह ने बताया कि जल आपूर्ति और सीवरेज के साथ 100 प्रतिशत कवरेज, अर्बन एस्टेट में 1 एमएलडी एस.टी.पी., स्मार्ट लड़कों और लड़कियों के स्कूल, किला सराय का संरक्षण, डडविंडी से सुल्तानपुर लोधी (6 किलोमीटर) और कपूरथला-सुल्तानपुर लोधी से फत्तू ढींगा सड़क (17.40 किलोमीटर) तक स्मार्ट सड़क को चार मार्गी करने की पहल की जा रही है ताकि सुचारु संपर्क सुनिश्चित किया जा सके और यातायात प्रणाली में सुधार किया जा सके। उन्होंने बताया कि अग्निशमन प्रणाली को मजबूत बनाने, जब्बोवाल और बस स्टैंड में 4 एमएलडी एस.टी.पी. पर छत वाले सोलर प्लांट, 2 ओ.एच.एस.आर आदि स्थापित किए जा रहे हैं। स्थानीय निकाय मंत्री ने बताया कि सुल्तानपुर लोधी में 78.43 करोड़ रुपये के 5 प्रोजेक्ट, जिनमें काली वेईं का चैनलाइजेशन और सार्वजनिक स्थल बनाना, सड़कों की मरम्मत, मल्टीपरपज एकीकृत खेल स्टेडियम, बढ़ी हुई निगरानी और सुरक्षा के लिए एकीकृत कमांड और कंट्रोल सेंटर, और चार मार्गी स्मार्ट सड़कों के साथ स्मार्ट स्ट्रीट लाइटिंग शामिल हैं, जो शहर की स्थिरता में बेमिसाल योगदान देंगी।

इस मौके पर अतिरिक्त मुख्य सचिव तेजवीर सिंह, पीएमआईडीसी की मुख्य कार्यकारी अधिकारी दीप्ति उप्पल, डिप्टी कमिश्नर कपूरथला अमित कुमार पंचाल और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

असुरी प्रवृत्ति को नाश करने के लिए क्रांति पुत्र बनना होगा: गिरिराज सिंह

एसबी ब्यूरो

बीटह/बेगूसराय। संगोष्ठी के दूसरे दिन कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए बिहार सरकार के उप मुख्यमंत्री विजय सिन्हा ने कहा कि भक्ति और शक्ति का सामंजस्य का प्रतीक है। सिंदूर, इसलिए सिंदूर के प्रतीक मां जानकी के इस धरा धाम को सजना ही चाहिए,और इसके लिए बिहार सरकार प्रतिबद्ध है। और इसके साथ ही मिथिला का प्रवेश द्वार सिमरिया धाम का संपूर्ण विकास भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त वर्तमान सरकार वो सभी योजनाओं को करने जा रही है। जिससे संपूर्ण मिथिला और बिहार पर्यटन का महत्वपूर्ण केंद्र बन जाएगा,समारोह के मुख्य अतिथि भारत सरकार के मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि अब हमें सनातनी संस्कृति की रक्षा के लिए ॐ शांति के बदले ॐ क्रांति के पाठ प्रयोग करना चाहिए। दुनिया की कोई शक्ति हमारे सनातनी संस्कृति को क्षति नहीं पहुंचा सकता है। जिस तरह से यज्ञ की रक्षा के लिए प्रभु श्रीराम का अवतरण हुआ था। उसी तरह हमें असुरी प्रवृत्ति को नाश करने के लिए क्रांति पुत्र बनना होगा। आने वाले समय में दोनों सरकार मिलकर सिमरिया का विकास अनुमान से भी अधिक होगा। साथ ही सिमरिया विश्व का विशाल पर्यटन केंद्र बनेगा।

इस अवसर पर सम्मानित अतिथि के कर कमलों से सर्वमंगला विद्यापीठ द्वारा प्रकाशित कुंभ संस्कृति और विघ्न विनाशक स्त्रोत्र संग्रह का लोकार्पण किया गया। आज के सत्र में मिथिला विश्वविद्यालय के पूर्व हिंदी विभाग के अध्यक्ष डॉ. प्रभाकर पाठक, इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष डॉ. फुलेश्वर सिंह, प्राचार्य डॉ. विपिन कुमार झा, डॉ. रामकिंकर सिंह, इंजियर मनोहर सिंह, प्रो. अबधेश झा ने संगोष्ठी में अपने व्याख्यान प्रस्तुत किया।

समारोह का संचालन डॉ. घनश्याम झा ने किया, विजय प्रवेश श्याम सहाय तथा धन्यवाद ज्ञापन दिनेश सिंह ने किया। सत्र के शुभारंभ में स्वामी चिदात्मन जी महाराज एवं रविन्द्र ब्रह्मचारी जी ने सभी सम्मानित अतिथि को मिथिला परंपरा के अनुसार अंगवस्त्र पाग और पुष्प गुच्छ से सम्मानित किया।

उक्त मौके पर डॉ. विजय कुमार झा, मीडिया प्रभारी नीलमणि, प्रो. प्रेम,गंगानंद, शुशील चौधरी, विजय कुमार सिंह, राजीव कुमार सिंह, पटेल सिंह, तरुण कुमार, आचार्य नारायण झा, दिनेश झा, राजेश झा, रमेश झा, श्याम झा, राम झा, लक्ष्मण झा, पप्पू कुमार, पप्पू त्यागी, नीपेनदर सिंह सहित अन्य मौजूद थे।

हम हर घर तक जायेंगे मतदाता को सत्यापन के लिए जगायेंगे-डॉ. प्रवीण

एसबी ब्यूरो

बेगूसराय नगर। बिहार प्रदेश जनतादल यू के द्वारा निर्देशित कार्यक्रम मतदाता गहन पुनरीक्षण 2025 का संदेश हर गांव, हर मुहल्ला, हर वार्ड तक पहुचाने के लिए जनतादल यू ने निकाली जागरूकता अभियान के लिए साइकिल रैली। बेगूसराय जिला जदयू जिलाध्यक्ष रूदल राय ने अपने पार्टी के नेताओं एवं कार्यकताओं के साथ लाखों पंचायत अयोध्यावाड़ी से सूजा पंचायत तक साईकिल रैली के माध्यम से मतदाता गहन पुनरीक्षण कार्य 2025 का संदेश नारो के साथ चलाया।

सत्यापन हम सब करायेंगे, मतदान को स्वच्छ बनायेंगे। संकल्प हमारा टूटे नही,एक भी मतदाता सत्यापन के लिए छूटे नही। प्रसिद्ध आथोर्पेडिक सर्जन सह जदयू बिहार प्रदेश राजनीतिक सलाहकार डॉ. प्रवीण कुमार ने कहा हम हर घर तक जायेंगे, मतदाता को सत्यापन के लिए जगायेंगे। यह साईकिल रैली लोकतंत्र के प्रति प्रतिवद्धता एवं जागरूकता हेतु चलाया गया है। ताकि योग्य मतदाताओं को जोड़ा जा सके, मृत व फर्जी मतदाताओं का नाम हटाया जा सके। जदयू जिला प्रवक्ता अरुण कुमार महतो ने कहा जनतादल यू हमारी पार्टी लोकतंत्र और संविधान पर आस्था और विश्वास करती है।

चुनाव आयोग एक स्वतंत्र संस्था है। जो लोकतंत्र को मजबूत बनाती है। स्वच्छ और मजबूत लोकतंत्र के लिए जरूरी है। मतदाता गहन पुनरीक्षण अभियान। कार्यक्रम में उपस्थित जदयू नेत्री महिला प्रखंड अध्यक्ष मोनिका कुमारी, श्रम एवं तकनीकी प्रदेश सचिव सत्येंद्र शर्मा, नवल किशोर चंद्रवंशी, जदयू नेता बरुण पटेल, डॉ. दुर्गेश कुमार, डॉ. फुलेना राय, चंद्रशेखर सिंह पटेल, आयुष कुमार, सुशील कुमार, सूरज कुमार, आदर्श कुमार, राहुल सरकार, प्रवीण शर्मा, अजय कुमार, अमन कुमार, अभिजीत कुमार, ऋषव कुमार, सहित पार्टी के साथीगण और ग्रामीण कार्यक्रम में शामिल थे।

खानपुर थानाध्यक्ष ने फरार चल रहे एक अभियुक्त को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बीती रात विशेष छापामारी अभियान के तहत पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के श्रीपुरगाहर टोले शिवनगर गाँव में छापामारी कर समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत-NBW वारंट में फरार चल रहे अभियुक्त (1) लालबाबू सहनी पिता-पति सहनी-ग्राम-श्रीपुरगाहर टोले शिवनगर-थाना खानपुर जिला समस्तीपुर को छापामारी के क्रम में घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया।

वही गिरफ्तार अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त लालबाबू सहनी ग्राम-श्रीपुरगाहर टोले शिवनगर-थाना खानपुर के विरूद्व समस्तीपुर न्यायालय से निर्गत NBW वारंट में फरार चल रहा था। जिसे गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स के सहयोग से बीती घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा गिरफ्तारी कागजात तैयार कर थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन हेतु भेजा गया है।

बैकफिंको के बोर्ड ऑफ डायरैक्टरज के नव नियुक्त 2 डायरैक्टरज ने पद संभाला

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार द्वारा पंजाब पिछड़ी श्रेणी भू विकास और वित्त निगम (बैकफिंको) के बोर्ड आफ डायरैक्टरज के नियुक्त किये गए नॉन आफिशियल डायरैक्टर श्री दिनेश कुमार और श्री जसवीर सिंह द्वारा आज चंडीगढ़ में स्थित बैकफिंको मुख्य दफ़्तर में चेयरमैन, बैकफिंको श्री सन्दीप सैनी की हाजिरी में पद संभाल लिया। इस मौके पर श्रीमती इन्द्रजीत कौर मान, एम. एल. ए. नकोदर, बैकफिंको के कार्यकारी डायरैक्टर स. जी. एस. सहोता, आई. ए. एस., श्री विकास सैनी, चेयरमैन, मार्केट कमेटी पठानकोट, श्री अनिल महाजन, मैंबर, पंजाब व्यापारी मंडल कमीशन और अन्य आदरणिय मौजूद थे।

झिराना पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध बजरी परिवहन और जानलेवा हमले के तीन आरोपी गिरफ्तार

संजना भारती संवाददाता

टोंक। उपखंड के झिराना थाना पुलिस ने अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की। ग्राम जंवाली में पंचायत भवन के पास बिना नंबर के लाल रंग के महिंद्रा ट्रैक्टर से बजरी का अवैध परिवहन करते हुए एक व्यक्ति को पकड़ा गया, ट्रैक्टर जब्त किया गया। चालक मोहन बलाई पुत्र रामप्रसाद, उम्र 30 साल, निवासी पांसरोटिया थाना पीपलू को गिरफ्तार किया गया। उसके खिलाफ धारा 303 (2) बीएनएस और 4/21 एमएमडीआर एक्ट में मामला दर्ज किया गया। इसी दौरान धारदार हथियार से जानलेवा हमले के मामले में वांछित दो आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया। प्रकरण संख्या 73/2025 में धारा 115 (2), 126 (2), 109 (1), 189 (2), 117 (2), 118 (1) बीएनएस के तहत कार्रवाई की गई। गिरफ्तार आरोपियों में माहिर खान पुत्र बाबू खां, उम्र 25 साल और इकराम खान उर्फ इकरिया पुत्र शफी खां, उम्र 37 साल शामिल हैं। दोनों मदारीपुरा थाना झिराना के निवासी हैं। यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बृजेन्द्र सिंह भाटी और वृताधिकारी अरविन्द कुमार के निर्देश पर की गई। थानाधिकारी हरिमन के सुपरविजन में एसआईटी और थाना झिराना की टीम ने संयुक्त रूप से यह कार्रवाई की। टीम में सुखलाल सउनि, ओमप्रकाश हैड कांस्टेबल, भागचन्द, कान्हाराम, सुरेन्द्र और जीतराम शामिल रहे। मामले की जांच जारी है।

हरजोत बैंस द्वारा पंजाब यूनिवर्सिटी का हलफनामे संबंधी फैसला तानाशाही और मनमाना करार, पुनः विचारने की माँग

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़। पंजाब के उच्च शिक्षा मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस ने 2025-26 के सैशन में नये दाखिलों के लिए अनिवार्य तौर पर हलफनामा/ अंडरटेकिंग लेने के पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के फैसले को तानाशाही और मनमाना करार दिया है। उन्होंने यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर को पत्र लिख कर इस संबंधी स्पष्टीकरण माँगा है।

स. हरजोत सिंह बैंस, जो यूनिवर्सिटी के गैर-सरकारी सैनेट मैंबर भी हैं, ने अपने पत्र के द्वारा वाइस चांसलर से हलफनामे की शर्तों का फैसला करने में अपनाई गई प्रक्रिया के बारे पूछा। उन्होंने सवाल किया कि क्या इस फैसले को सैनेट या सिंडिकेट द्वारा मंजूरी दी गई थी? स. बैंस ने कहा कि पंजाब यूनिवर्सिटी के

2025-26 के सैशन में नये दाखिलों के लिए हलफनामा अनिवार्य करने वाली शर्त के कारण बहुत विद्यार्थी चिंतित हैं। विद्यार्थियों ने विरोध-प्रदर्शनों के लिए पहले से इजाजत लेने, इसको सिर्फ खास स्थानों तक सीमित करने और आऊटसाईडर, स्ट्रेंजर और अगली जैसे अपरिभाषित शब्दों पर भी सख़्त ऐतराज प्रकट किया, जो अनैतिक और अमानवीय समझते जाते हैं। उन्होंने कहा कि इसके इलावा दाखिला रद्द करने और बिना नोटिस या अपील से जीवन भर कैंपस में आने पर पाबंदी लगाने जैसे फैसले लेने की मंजूरी देने वाली व्यवस्था कानूनी ढांचे के अंतर्गत अपनाई जाती उचित और निष्पक्ष प्रक्रिया के सिद्धांतों का उल्लंघन है।

उच्च शिक्षा मंत्री ने कहा कि इस मसले ने अकादमिक भाईचारे में व्यापक असंतोष और निराशा पैदा की है। उन्होंने कहा, पंजाब यूनिवर्सिटी ने श्रेष्ठ नेता और सम्मानित हस्तियां समाज को दीं हैं। मुझे डर है कि यह हलफनामा विद्यार्थियों की राजनैतिक और सामाजिक सक्रियता पर बुरा प्रभाव डालेगा और भारतीय संविधान के उपबंध 19 के अंतर्गत बोलने की आजादी के बुनियादी अधिकार को सीमित करके यूनिवर्सिटी के लोकतंत्रीय ढांचे को कमजोर करेगा।

कैबिनेट मंत्री और पंजाब यूनिवर्सिटी के गैर-सरकारी सैनेट मैंबर होने के नाते, मैं इस फैसले पर तुरंत पुनः विचार करने और हल्फनामे की मदों की गहन समीक्षा की माँग करता हूं जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि यह विद्यार्थियों के संवैधानिक अधिकारों के साथ मेल खाते हों और यूनिवर्सिटी की विरासत और बौद्धिक आजादी को उत्साहित करने की रिवायत को बरकरार रखा जा सके।

खानपुर पुलिस ने शराब के नशे में हंगामा कर रहे एक युवक को किया गिरफ्तार

गिरफ्तार युवक को उपस्थापन हेतु भेजा समस्तीपुर न्यायालय

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर पुलिस को बीती रात गस्ती के क्रम में दूरभाष से सूचना मिला कि ग्राम श्रीपुरगाहर पश्चिमी में एक युवक शराब के नशे में धुत है। जो हंगामा कर रहा है। सूचना मिलते ही त्वरित कार्रवाई करते हुये रात्रि गस्ती दल के पुलिस पदाधिकारी ने पुलिस फोर्स के साथ ग्राम श्रीपुरगाहर पश्चिमी पहुँचकर हंगामा कर रहे एक युवक को गिरफ्तार कर थाना लाया। जिसकी पहचान श्रीपुरगाहर पश्चिमी निवासी शिवकुमार मिश्र पिता स्वर्गीय रामनरेश मिश्र के रूप में हुआ है।वही बताते चले कि शराब के नशे में हंगामा कर रहे गिरफ्तार युवक के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि गिरफ्तार युवक शिवकुमार मिश्र शराब के नशे में हंगामा कर रहा था।सूचना मिलने पर त्वरित कार्रवाई करते हुये हंगामा करते युवक को गिरफ्तार कर ब्रेथ एनालाइजर मशीन से जाँच कर फिर नशे में धुत युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खानपुर में चिकित्सीय जांच में शराब सेवन की पुष्टि पाया गया। गिरफ्तार युवक के विरूद्व खानपुर थाना सनहा संख्या-दर्ज कर गिरफ्तार युवक शिवकुमार मिश्र को थाना के पुलिस पदाधिकारी व चौकीदार के साथ उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से माननीय न्यायालय समस्तीपुर में उपस्थापन कराने हेतू भेज दिया गया है।

पंजाब पुलिस ने पंजाब और मध्य प्रदेश में टारगेट किलिंग करने की साजिश को किया नाकाम

दुबई आधारित नमित शर्मा द्वारा चलाया जा रहा था मॉड्यूल: डीजीपी गौरव यादव

संजना भारती/विज्ञप्ति द्वारा

चंडीगढ़/ जालंधर। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों पर पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के मद्देनजर चलाई जा रही मुहिम के दौरान बड़ी सफलता दर्ज करते हुये पंजाब पुलिस के काउन्टर इंटेलिजेंस (सीआइ) जालंधर की टीम ने लारेंस बिश्नोई गैंग के मुख्य गुर्गे को दो पिस्तौलों सहित गिरफ़्तार करके गिरोह द्वारा पंजाब और मध्य प्रदेश में टारगेट किलिंग करने की साजिश को नाकाम कर दिया है। यह जानकारी डायरैक्टर जनरल आफ पुलिस (डीजीपी) पंजाब गौरव यादव ने मंगलवार को यहाँ दी।

गिरफ़्तार किये गए मुलजिम की पहचान कपूरथला के फगवाड़ा में रहने वाले हिमांशु सूद के तौर पर हुई है। पंजाब पुलिस ने मुलजिम के कब्जे में से एक .30 बोर का चीनी पीऐक्स 3 पिस्तौल, एक .32 बोर का पिस्तौल और दो मैगजीनों सहित सात जिंदा कारतूस बरामद किये हैं।

डीजीपी गौरव यादव ने कहा कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गिरफ़्तार किया गया मुलजिम हिमांशु अपने गैंग सदस्यों के साथ मिलकर अपने दुबई स्थित हैंडलर नमित शर्मा के निदेशों अधीन एक अंतरराज्यीय गैंग चला रहा था। उन्होंने बताया कि नमित शर्मा गैंगस्टर लारेंस बिश्नोई का करीबी साथी है। उन्होंने आगे कहा, जून 2025 में, मुलजिम हिमांशु सूद ने अन्य गैंग सदस्यों के साथ मिलकर अपने हैंडलर नमित शर्मा के निर्देशों पर हरिद्वार में एक होटल मालिक अरुण पर गोलियाँ चलाईं थीं।

डीजीपी ने आगे कहा कि गिरफ़्तार किये गए मुलजिम हिमांशु को उसके हैंडलर ने क्रमवार मध्य प्रदेश, लुधियाना और कपूरथला समेत तीन टारगेट्स को खत्म करने का काम सौंपा था। सी. आई. जालंधर की टीम ने जन सुरक्षा के लिए एक बड़े खतरे को टालते हुए इस टारगेट किलिंग माड्यूल को सफलतापूर्वक खत्म कर दिया। सहायक इंस्पेक्टर जनरल (एआईजी) सीआइ जालंधर नवजोत सिंह माहल ने कार्यवाही सम्बन्धी विवरण सांझे करते हुए कहा कि पुलिस टीमों को लारेंस बिश्नोई गैंग के मैंबर शक्की हिमांशु के बारे पुखता जानकारी मिली थी कि वह राज्य में आपराधिक गतिविधियां अंजाम देने की साजिश रच रहा है।

ए. आई. जी. ने कहा कि मुस्तैदी से कार्यवाही करते हुए एक खुफिया कार्यवाही की गई, जिसके नतीजे के तौर पर हिमांशु सूद को दकोहा रेलवे क्रॉसिंग, जालंधर के नजदीक हथियारों समेत तब गिरफ़्तार किया जब उक्त अपने साथी का इन्तजार कर रहा था। उन्होंने आगे कहा कि आगे जांच जारी है और आने वाले दिनों में और गिरफ़्तारियाँ होने की संभावना है। इस सम्बन्ध में बीएनएस की धारा 49, 55 और 61(2), हथियार एक्ट की धारा 25 और 25 (बी) (ए) के अंतर्गत पुलिस स्टेशन स्टेट स्पैशल आपरेशन सैल (एसएसओसी), अमृतसर में एफआईआर नंबर 37 तारीख 07. 07. 2025 को केस दर्ज किया गया है।

कैथल हॉफ मैराथन को हरी झंडी दिखाएंगे मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी, उत्साह से भाग लें जिलावासी-डीसी

■ अब तक करीब 53 हजार लोगों ने करवाया रजिस्ट्रेशन: डीसी प्रीति

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। डीसी प्रीति ने कहा कि आगामी 13 जुलाई को कैथल में आयोजित की जा रही हाफ मैराथन को माननीय मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी जी हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। ड्रग्स को पीछे छोड़ें, कैथल के संग दौड़ें के मूल मंत्र के साथ ड्रग फ्री हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के संदेश के साथ धावक दौड़ेंगे।

मुख्यमंत्री का प्रयास है कि पूरा प्रदेश स्वस्थ हो और हमारे युवा ड्रग्स जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर हों। इसी के प्रति जागरूकता के लिए आगामी 13 जुलाई को कैथल में हाफ मैराथन का आयोजन किया जा रहा है। स्वयं मुख्यमंत्री जी ने कैथल को हॉफ मैराथन जैसे आयोजन के लिए चुना है। इसीलिए जिला कैथल सहित प्रदेशवासियों से अपील है कि इसमें बढ़चढ़ कर भाग लें और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता मुहीम का हिस्सा बनें।

डीसी प्रीति मंगलवार को लघु सचिवालय के वीडियो कांफ्रेंस रूम में प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहीं थीं। उन्होंने बताया कि मैराथन तीन कैटेगरी में आयोजित होगी। जिसमें 21 किलोमीटर,

10 किलोमीटर और पांच किलोमीटर की फन फार रन शामिल है। अब तक करीब 53 हजार लोगों ने कैथल हॉफ मैराथन को लेकर रजिस्ट्रेशन करवा लिया है और आगे आने वाले समय में इस रजिस्ट्रेशन के बढ़ने की संभावना है। इस मैराथन में हजारों प्रतिभागी जिसमें खिलाड़ी, विद्यार्थी, अधिकारी, कर्मचारी, जन प्रतिनिधि, प्रगतिशील किसान, युवा, सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े लोग नशे के खिलाफ एक साथ कदम बढ़ाएंगे।

डीसी प्रीति ने कहा कि मैराथन को लेकर तैयारियां जोरों पर चल रही हैं। इसके लिए रूट का चयन कर लिया गया है। तीनों कैटेगरी में मैराथन की शुरूआत अंबाला रोड स्थित पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह से होगी।

सुरक्षा एवं यातायात को व्यवस्थित करने को लेकर पुख्ता प्रबंध कर लिए गए हैं। प्रतिभागियों के लिए सुरक्षा की दृष्टि से, मेडिकल की दृष्टि से और अन्य किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। सभी प्रतिभागी सुबह पांच बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचना सुनिश्चित करें। मैराथन रूट को लेकर ट्रैफिक डाइवर्ट किया जाएगा और आमजन के लिए एडवाइजरी भी जारी की जाएगी। उन्होंने कहा कि मैराथन को लेकर रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया जारी है और आमजन में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। कोई भी आमजन www.kaithalhalfmarathon.com वेबसाइट पर जाकर पंजीकरण करवाया सकता है। उन्होंने जिला के साथ साथ प्रदेश के सभी आमजन से अपील की कि वे माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जी के स्वस्थ, खुशहाल एवं नशा मुक्त हरियाणा के सपने को साकार करने के लिए जिले का हर नागरिक इस मैराथन में भाग ले। प्रेस वार्ता के दौरान एडीसी दीपक बाबूलाल करवा, एसडीएम अजय सिंह तथा डीएसपी गुरविंद्र सिंह मौजूद रहे। डीसी प्रीति ने बताया कि मैराथन तीन कैटेगरी में आयोजित होगी। इसमें 21 किलोमीटर व 10 किलोमीटर की प्रोफेशनल तथा पांच किलोमीटर रन फार फन रेस शामिल हैं। 21 किलोमीटर की मैराथन में भाग लेने के लिए 200 रुपये तथा 10 किलोमीटर मैराथन में भाग लेने के लिए 100 रुपये रजिस्ट्रेशन फीस निर्धारित की गई है। पांच किलोमीटर मैराथन की रजिस्ट्रेशन के लिए कोई फीस नहीं है।

डीसी प्रीति ने बताया कि 21 किलोमीटर की हाफ मैराथन में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विजेता को एक लाख 21 हजार रुपये, द्वितीय को एक लाख रुपये तथा तृतीय को 75 हजार रुपये का नकद इनाम से पुरस्कृत किया जाएगा।

वहीं 10 किलोमीटर मैराथन में प्रथम विजेता को एक लाख रुपये, द्वितीय को 75 हजार रुपये तथा तृतीय स्थान पर रहने वाले प्रतिभागी को 50 हजार रुपये की नकद इनाम दिया जाएगा। पांच किलोमीटर की दौड़ रन फॉर फन होगी। इसके अलावा वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी अलग कैटेगरी बनाई गई है।

15 जुलाई को राज्यभर में एक साथ चलेगा मास पौधारोपण अभियान

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह ने प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों को हरित बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए कहा है कि जुलाई-अगस्त माह के दौरान KMP एक्सप्रेस वे के दोनों ओर एवं सभी आईएमटीस में बड़े पैमाने पर पौधारोपण किया जाएगा। विशेष रूप से आईएमटी मानेसर को "हरित आईएमटी" के रूप में विकसित करने के लिए एचएसआईआईडीसी को विस्तृत और ठोस कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

श्री राव नरबीर सिंह वन महोत्सव-2025 को लेकर आयोजित विभागीय समन्वय बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। बैठक में जानकारी दी गई कि 15 जुलाई को राज्यव्यापी मास पौधारोपण अभियान शुरू किया जाएगा, जिसमें सार्वजनिक स्थल, तालाबों व नदियों के किनारे और पंचायत भूमि पर पौधारोपण किया जाएगा।

इस अभियान में औद्योगिक घरानों, एनजीओ और सामाजिक संगठनों का सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि एचएसआईआईडीसी सभी इंडस्ट्रियल एरिया और आईएमटीस में अधिक से अधिक छायादार पेड़ लगाए, जिनमें नीम, पीपल, पिलखन, गुलमोहर, अर्जुन व बड़ जैसी प्रजातियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इन प्रजातियों के परिपक्व पौधों को राज्य की नर्सरियों में 3-4 वर्षों तक तैयार किया जाएगा ताकि उन्हें बाद में रोपा जा सके।

आईएमटी मानेसर के सभी खुले स्थानों में बहुउद्देशीय पार्क, ओपन एयर थियेटर जैसे निर्माण कार्य किए जाएंगे। इसके लिए विशेषज्ञ एजेंसियों की सेवाएं ली जाएंगी। हर सड़क पर विभिन्न प्रजातियों के पौधे लगाए जाएंगे और सड़कों के नाम उसी प्रजाति पर रखे जाएंगे। शहरी चौराहों पर पौधारोपण की जिम्मेदारी संबंधित उद्योगों को सौंपी जाएगी और वहां उनके नाम की पट्टिका लगाई जाएगी। पौधों की सिंचाई और संरक्षण हेतु सौर पंप लगाए जाने की योजना बनाई गई है।

पुलिस टीम शिक्षण संस्थानों व गांव-गांव जाकर युवाओं सहित आमजन को नशा ना करने बारे कर रही जागरूक

■ पढाई व खेलो में मेहनत करके राष्ट्र निर्माण में योगदान करें युवा: एसपी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। जिला पुलिस प्रशासन द्वारा नशा मुक्त समाज की दिशा में प्रभावी कदम उठाते हुए एसपी आस्था मोदी के कुशल नेतृत्व में शिक्षण संस्थानों सहित गांव-गांव जाकर नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।

इस अभियान के तहत डीएसपी कुलदीप बेनीवाल की अगुवाई में एसआई कर्मबीर, एएसआई ओमप्रकाश, एचसी सुनील कुमार, महिला सिपाही किस्मत, एसपीओ राजपाल तथा एसपीओ प्रदीप कुमार की टीम विद्यालयों, कॉलेजों, पंचायत घरों और ग्रामीण चौपालों में जाकर बच्चों, युवाओं, महिलाओं व वरिष्ठ नागरिकों को नशे से होने वाले शारीरिक, मानसिक व सामाजिक नुकसान के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी।

एसपी आस्था मोदी ने कहा कि इस दौरान युवाओं सहित आमजन को जानकारी दी जा रही है कि नशा केवल एक व्यक्ति नहीं, बल्कि पूरे परिवार और समाज को प्रभावित करता है। इससे अपराध, घरेलू हिंसा, बेरोजगारी व बीमारियां बढ़ती हैं। युवाओं को नशे के दलदल में फंसने से रोकने के लिए शिक्षा व खेल गतिविधियों में रुचि बढ़ाने की सलाह दी जा रही है। विद्यार्थियों को पढ़ाई व खेल के क्षेत्र में कड़ी मेहनत करके राष्ट्र निर्माण में योगदान देना चाहिए। इस दौरान पुलिस टीम ने नशा पीड़ितों की पहचान कर उनके परिजनों को सलाह दी कि वे उन्हें इलाज के लिए प्रेरित करें और सहयोग करें।

पुलिस अधीक्षक ने आमजन से अपील की है कि वे नशे के खिलाफ चल रही इस मुहिम में सक्रिय भागीदारी करें और अपने क्षेत्र में यदि किसी प्रकार की नशा तस्करी या नशा सेवन की गतिविधि दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस को सूचना दें। यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नशा मुक्त समाज की स्थापना हेतु जिला पुलिस पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्यरत है।

चाकू से हत्या करने वाले आरोपी को पंचकूला पुलिस ने चंद घंटों में दबोचा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। डीसीपी सृष्टि गुप्ता के नेतृत्व में पंचकूला पुलिस अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हेतु लगातार सक्रियता से काम कर रही है। डीसीपी द्वारा अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि कोई भी अपराधी पुलिस की गिरफ्त से बाहर न जाने पाए। इसी दिशा में तेजी से कार्रवाई करते हुए थाना चंडीमंदिर प्रभारी इंस्पेक्टर रामपाल सिंह व चौकी सेक्टर-25 टीम ने तत्परता दिखाते हुए एक हत्या के आरोपी को महज कुछ घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को सेक्टर-26 मंडी क्षेत्र से दबोचा गया।

यह मामला 7 जुलाई की रात का है, जब मृतक रमन (उम्र 23 वर्ष), जो मूल रूप से गांव बूआना, जिला जींद का रहने वाला था और पिछले एक वर्ष से जीरकपुर (पंजाब) में एक अपार्टमेंट में केयरटेकर के रूप में कार्यरत था, अपने दोस्तों के साथ मोरनी टी-पॉइंट के आगे पार्टी करने गया था। यह जानकारी रमन के बड़े भाई राहुल और दोस्त अमन ने पुलिस को दी।

अमन ने बताया कि उसका जन्मदिन था, और सभी दोस्त पार्टी के बाद सेक्टर-26 पंचकूला स्थित आशियाना गेट के बाहर पहुंचे, जहां एक अर्जुन नामक युवक की फास्ट फूड रेहड़ी है। रमन ने अर्जुन से कुछ खाने-पीने की मांग की, लेकिन अर्जुन ने बताया कि सामान खत्म हो गया है। इसी बात को लेकर रमन और रेहड़ी पर काम करने वाले आकाश के बीच कहासुनी हो गई, जो देखते ही देखते हिंसक हो गई। आरोप है कि आकाश ने रेहड़ी पर रखा चाकू उठाकर रमन की छाती में वार कर दिया, जिससे वह मौके पर ही गिर पड़ा। घायल रमन को तुरंत सेक्टर-6 अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। आरोपी युवक के खिलाफ थाना चंडीमंदिर में आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(2) व 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच पुलिस चौकी सेक्टर-25 इंचार्ज सब-इंस्पेक्टर विकास द्वारा की जा रही है।

डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही हमारी टीम ने मौके का निरीक्षण किया, सीन ऑफ क्राइम यूनिट ने आवश्यक साक्ष्य जुटाए और तकनीकी जांच के साथ आरोपी की पहचान सुनिश्चित की गई। यह हमारी पुलिस टीम की प्रोफेशनल दक्षता और तेज कार्रवाई का परिणाम है कि महज कुछ घंटों में आरोपी गिरफ्तार कर लिया गया। मामले से जुड़े अन्य पहलुओं के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। अगर इसमे किसी अन्य व्यक्ति की भी संलिप्ता पाई जाती है तो उसके विरुद्ध भी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कल आरोपी को माननीय अदालत में पेश किया जाएगा।

न्यायिक सुधार मुहिम में अग्रणी बना हरियाणा

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। बलात्कार जैसे जघन्य अपराध में दोषी को छह महीने से भी कम समय में सजा हो जाए, यह किसी ने सपने में भी न सोचा होगा। लेकिन यह सपना नहीं, हकीकत है। हरियाणा में नए आपराधिक कानूनों की बदौलत एक नाबालिग के बलात्कार के मामले में सिर्फ 140 दिनों के भीतर दोषी को मौत की सजा सुनाई गई है।

इसके अलावा, कई अन्य आपराधिक मुकदमे भी 20 दिनों से कम समय में पूरे हुए हैं। उच्च प्राथमिकता वाले चिन्हित अपराध के मामलों में, कई जिलों में सजा दर 95 फीसदी से ज्यादा हो गई है। इसके अलावा, चिन्हित अपराध पहल के जरिए, 1,683 जघन्य मामलों को सख्ती से फास्ट-ट्रैक किया गया है और उच्चतम स्तर पर निगरानी की गई है। यह सब हरियाणा की त्वरित, कुशल और पारदर्शी न्याय दिलाने की क्षमता का जीता जागता सबूत है।

दिल्ली सरकार द्वारा भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित तीन नए आपराधिक कानूनों पर एक प्रदर्शनी में हरियाणा की अतिरिक्त मुख्य सचिव, गृह विभाग, डॉ. सुमिता मिश्रा ने भाग लिया। इसके पश्चात मीडियाकर्मियों से बातचीत करते हुए, गृह विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. सुमिता मिश्रा ने बताया कि आधुनिक प्रौद्योगिकी, उन्नत फोरेंसिक बुनियादी ढांचे और नए आपराधिक कानूनों के तहत गहन प्रशिक्षण की बदौलत, हरियाणा ने केवल राष्ट्रीय मानक स्थापित किए हैं बल्कि देश की न्याय सुधार मुहिम में भी अग्रणी बनकर उभरा है। समग्र और प्रौद्योगिकी-संचालित

■ आपराधिक न्याय में रचा इतिहास

प्रदेश के इस मॉडल की बड़े पैमाने पर सराहना हुई है। उन्होंने कहा कि विशाल क्षमता निर्माण पहल हरियाणा के सुधारों की रीढ़ है। भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) के सूक्ष्म प्रावधानों में 54,000 से अधिक पुलिस कर्मियों को प्रशिक्षित किया गया है। इस प्रशिक्षण के दौरान न केवल कानूनी समझ बल्कि पीड़ित-संवेदी जांच, डिजिटल एकीकरण और आधुनिक साक्ष्य प्रबंधन पर भी बल दिया गया। राज्य पुलिस बलों के बीच कानूनी शिक्षा को बढ़ावा देने के मकसद से, 37,889 अधिकारियों को आईजीओटी कर्मयोगी प्लेटफॉर्म पर डाला गया है।

डॉ. मिश्रा ने बताया कि ई-समन और ई-साक्ष्य जैसे प्लेटफार्मों के सफल कार्यान्वयन के बल पर हरियाणा ने डिजिटल पुलिसिंग में लंबी छलांग लगाई है। अब 91.37 फीसदी से अधिक समन इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी किए जाते हैं, जबकि शत-प्रतिशत तलाशी और जब्ती डिजिटल तरीके से दर्ज की जाती हैं। उल्लेखनीय है कि 67.5 प्रतिशत गवाहों और शिकायतकर्ताओं के बयान ई-साक्ष्य मोबाइल एप्लीकेशन के जरिए दर्ज किए जा रहे हैं। इससे न केवल साक्ष्य संग्रह का मानकीकरण हो रहा है बल्कि जांच में पारदर्शिता भी बढ़ रही है।

गुरू ब्रह्मानंद के नाम से होगा धेरडू गांव में बन रहे नर्सिंग कॉलेज का नाम

■ पूंडरी विधायक सतपाल जांबा के प्रयासों से मिली मंजूरी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

कैथल। गांव धेरडु में बन रहे नर्सिंग कॉलेज का नाम अब गुरू ब्रह्मानंद राजकीय नर्सिंग कॉलेज होगा। महामहिम राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने इसको लेकर मंजूरी दे दी है। यह सब पूंडरी विधायक सतपाल जांबा के प्रयासों से संभव हो पाया है। उन्होंने इसको लेकर सरकार से अनुरोध किया था।

विधायक सतपाल जांबा ने जानकारी देते हुए बताया कि गांव धेरडू में करीब पांच एकड़ जमीन में नर्सिंग कॉलेज बनाया जा रहा है। जिसका निर्माण कार्य लगभग पूरा होने वाला है और जल्द ही यहां युवाओं को मेडिकल की शिक्षा मिलेगी। धेरडू ग्राम पंचायत ने उनसे मिलकर कालेज का नाम गुरू ब्रह्मानंद जी के नाम पर रखने की मांग की थी। जिस पर उन्होंने महामहिम राज्यपाल

विधायक पूंडरी सतपाल जांबा।

बंडारू दत्तात्रेय तथा मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अनुरोध किया था। उन्होंने इसको लेकर मंजूरी दे दी है। इसको लेकर ग्राम पंचायत धेरडू और वे स्वयं भी आभारी हैं। उन्होंने कहा कि यह जिले का पहला राजकीय नर्सिंग कॉलेज है। इस कालेज के बनने से कैथल जिला ही नहीं बल्कि आसपास के जिलों के विद्यार्थियों को काफी फायदा मिलेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य सरकार चहुंमुखी विकास कार्य करवा रही है।

युवाओं के लिए 20 किलोमीटर के दायरे में कॉलेज खोल जा रहे हैं। शिक्षा को बढ़ावा दिया जा रहा है। पूंडरी हलके में अनेकों विकास कार्य चल रहे हैं। सड़कों का सुदृढ़ीकरण एवं मजबूतीकरण किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जनता ने उन्हें विधानसभा में पहुंचाया है। जनता के लिए उनके दरवाजे हमेशा खुले हैं। विकास के मामले में पूंडरी हलके में कोई कसर नहीं छोड़ी जाएगी।

मास्टर एथलीट हैं प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा: खेल मंत्री गौरव गौतम

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा के खेल मंत्री गौरव गौतम ने कहा कि किसी भी प्रदेश व देश की तरक्की में उसके स्वस्थ शरीर व स्वस्थ मन के लोगों का अहम योगदान होता है। इसी परिपाटी पर चलते हुए प्रदेश के मास्टर एथलीटों ने न सिर्फ स्वयं को स्वस्थ रखा बल्कि राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय मास्टर एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर हरियाणा का गौरव भी बढ़ाया है। हमारे मास्टर एथलीट प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा हैं और हरियाणा को ड्रग्स फ्री बनाने में इन एथलीटों का अहम योगदान रहेगा। मंत्री पंचकूला में हरियाणा मास्टर एथलेटिक्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित विश्व व नेशनल मास्टर एथलेटिक्स चैंपियनशिप के विजेता खिलाड़ियों के सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री गौरव गौतम ने कहा कि हरियाणा खेलों का पावर हाउस बन चुका है। प्रदेश की खेल नीति देश में सबसे बेहतरीन है। युवाओं की प्रतिभाओं को निखारने के लिए प्रदेश में 2000 खेल नर्सरियां खोली गई हैं, जिनमें 37 हजार से ज्यादा खिलाड़ी अभ्यास कर सफलता की नई गाथा लिख रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की खेल नीति के बूते हमारे

खिलाड़ी ओलंपिक, विश्व चैंपियनशिप, एशियन व कॉमनवेल्थ गेम्स में पदक

■ हरियाणा बन चुका है खेलों का पावर हाउस

जीतकर देश का नाम रोशन कर रहे हैं। सरकार भी खिलाड़ियों का पूरा मान व सम्मान कर रही है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2004 से 2014 में प्रदेश सरकार ने खिलाड़ियों पर महज 38 करोड़ रुपये खर्च किए थे, जबकि वर्ष 2014 से 2024 तक प्रदेश के खिलाड़ियों को पर सरकार ने 592 करोड़ रुपये खच किए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार न सिर्फ खिलाड़ियों को आर्थिक मजबूती दे रही है बल्कि खेल के दौरान चोटिल होने पर खिलाड़ियों के इलाज पर 20 लाख रुपये तक खर्च कर रही है। खेलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से खेल एकेडमी खोलने के लिए सरकार किफायती दरों पर खिलाड़ियों को 5 करोड़ रुपये तक का लोन भी मुहैया करवा रही है। खेल मंत्री ने खिलाड़ियों को आश्वासन दिया कि खेल नीति के तहत उन्हें अधिक से अधिक प्रोत्साहन दिया जाएगा।

इस मौके पर हरियाणा एथलेटिक्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष श्री अजय मित्तल, महासचिव श्री रामकिशोर शर्मा व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

हरियाणा का लिंगानुपात इस वर्ष 7 जुलाई तक सुधरकर 904 हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 903 था

एसबी संवाददाता

चंडीगढ़। हरियाणा की स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव के निर्देशानुसार हरियाणा में लिंगानुपात में सुधार के लिए गठित राज्य टास्क फोर्स (एसटीएफ) की साप्ताहिक बैठक यहां स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव श्री सुधीर राजपाल की अध्यक्षता में हुई।

बैठक में अवैध गर्भपात पर अंकुश लगाने तथा बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के तहत राज्य के लिंगानुपात में और सुधार लाने के प्रयासों को तेज करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। हरियाणा का लिंगानुपात इस वर्ष 7 जुलाई तक सुधरकर 904 हो गया, जो पिछले वर्ष इसी अवधि में 903 था।

अतिरिक्त मुख्य सचिव ने अवैध गर्भपात के खिलाफ सख्त कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया तथा अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इसमें संलिप्त पाए जाने वाले डॉक्टरों के लाइसेंस रद्द करने सहित कठोर दंडात्मक कदम उठाएं। ऐसे ही एक मामले में, अवैध गर्भपात के आरोप में नूंह जिले में दो नर्सिंग होम को सील कर दिया गया। इसके अलावा, सभी मुख्य चिकित्सा अधिकारियों (सीएमओ) को अवैध गर्भपात गतिविधियों में लिप्त बीएएमएस डॉक्टरों और झोलाछाप डॉक्टरों के खिलाफ कार्रवाई करने और हर हफ्ते एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए कहा गया है।

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि क्षेत्र स्तर पर लगातार प्रयासों के परिणामस्वरूप मई की तुलना में जून में जन्म पंजीकरण के आंकड़ों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। अभियान को और मजबूत करने के लिए अतिरिक्त मुख्य सचिव ने वरिष्ठ अधिकारियों को आशा और आंगनवाड़ी कार्यकताओं के साथ मिलकर, खासकर जिला पलवल, नूंह, गुरुग्राम और फरीदाबाद के झुग्गी-झोपड़ियों और कम आय वाले क्षेत्रों में अपंजीकृत बच्चों की पहचान करने और

उनका पंजीकरण करने का निर्देश दिया। इसका लक्ष्य एक महीने के भीतर सभी लंबित पंजीकरण पूरा करना है। बैठक में एसीएस ने सीएमओ को गर्भावस्था के 24 सप्ताह तक किए गए गर्भपात की रिवर्स ट्रैकिंग शुरू करने का निर्देश दिया। इसका उद्देश्य ऐसी प्रक्रियाओं में शामिल चिकित्सकों की पहचान करना तथा उल्लंघन के मामलों में सख्त कार्रवाई शुरू करना है। रिवर्स ट्रैकिंग के लिए एक व्यापक प्रक्रिया पहले ही सभी सीएमओ के साथ साझा की जा चुकी है। आईवीएफ केन्द्रों के विनियमन के संबंध में, टास्क फोर्स ने निर्णय लिया कि एक या दो बच्चों वाले दम्पतियों को आईवीएफ के माध्यम से दूसरा बच्चा चाहने पर जिला समुचित प्राधिकारी से पूर्व अनुमति लेनी होगी।

ब्रह्माकुमारी बहनें राजौंद में चला रही है 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान

■ नगर के मड़वाल रोड, खेड़ी रायवाली रोड व घरों में किया गया पौधरोपण

संजना भारती संवाददाता

राजौंद। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय राजौंद द्वारा चल रहे "एक पेड़ मां के नाम" अभियान में ब्रह्माकुमारी बहनों द्वारा पौधे लगाए गए। राजौंद के भिन्न भिन्न इलाको में जाकर लोगों को संबोधित कर बहन ने वृक्षारोपण किया। गांव के मड़वाल रोड, खेड़ी रायवाली रोड तथा घरों में भी पौधरोपण किया गया।

आमजन को जागरूक करते हुए ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने कहा कि प्रकृति ने हमें जीवन जीने के लिए सब कुछ निःशुल्क दिया, लेकिन आज मानव के स्वार्थवादी दृष्टिकोण तथा उपभोक्तावादी पाश्चात्य संस्कृति और औद्योगिकीकरण के कारण उसने इतना विकराल रूप धारण कर लिया है जो अभी उसे संरक्षित नहीं किया गया तो आने वाले समय में हमें ना तो शुद्ध ऑक्सीजन मिलेगी, ना अन्य दूसरे संसाधन उपलब्ध हो पाएंगे। वास्तव में यह बाहरी प्रदूषण मानव मन के आंतरिक प्रदूषण का ही परिणाम है। आज खेतों में जो अन्न उपजा रहे हैं उसमें भी कीटों को मारने के संकल्प से जहरीली कीटनाशक दवाइयां डाली जा रही है जिससे अनाज भी विषैला और प्रदूषित हो रहा है। अतः प्रकृति को शुद्ध बनाने के लिए मन को शुद्ध बनाएं, प्रकृति के प्रति उदारता का भाव रखें।

ब्रह्माकुमारी संस्थान में हम राजयोग मेडिटेशन द्वारा पवित्र, शांति के प्रकंपन चारों ओर फैलाकर प्रकृति के पांचों तत्वों को सतोप्रधान बनाने का प्रयास करते हैं और हम सब के सामूहिक प्रयास से निश्चित रूप से भारत फिर से प्राकृतिक सौंदर्य से संपन्न, विश्व गुरु, सिरमौर बन जाएगा। सभी बच्चे बड़े सबका आवाहन करते हुए कहा कि चलिए एक पेड़ हर एक लगाए, इस धरा को स्वर्ग बनाए।

बीके आशा ने प्रकृति को शांति, शक्ति के वाइब्रेशंस देने के लिए गहन योग की अनुभूति कराई।